हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 कोटक बैंक का चौथी-तिमाही में मुनाफा 18 प्रतिशत बढ़कर सम्पादकीय | बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा फिलीपींस में बंदरगाह डेवलप करेगा अडाणी पोर्ट्स 5

वर्ष 10 अंक 348 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, रविवार 05 मई 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

मौज नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आर.एन.एस.

पलामू। पीएम मोदी ने शनिवार 4 मई को पलामू और गुमला में जनसभा की। पलामू में पीएम ने भीड़ देखकर कहा कि आप लोगों ने छुरूू कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए। पीएम मोदी ने लोगों को वोट की ताकत बताई। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट से आज राम मंदिर बना। जम्मू-कश्मीर में आपके एक वोट से 370 हट गई।

पीएम ने कहा कि आपके आशीर्वाद से मोदी पर 25 साल में एक पैसे का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। मोदी मौज नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ है। परिवारवाद पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग अपने बच्चों के लिए पैसा जमा कर

रहे हैं। मेरे पास ना साइकिल है ना घर। मेरा परिवार और वारिस तो आप लोग हैं। मैं आपको विकसित भारत देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन लोगों को मेरे आंसू अच्छे लगते हैं। कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया में जाकर रोती थी। आज पाकिस्तान दुनियाभर में जा-जाकर रोता है। आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। मजबूत भारत आज मजबूत सरकार ही चाहता है। पीएम ने कहा कि मां भारती का अपमान नहीं सहेंगे।

मोदी ने कहा कि ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है। भारत ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था। पहले कोई समय ऐसा नहीं होता था कि देश की सेवा करते-करते नौजवान सीमा पर शहीद ना होते हों। पहले ये हर महीने चलता था। आज ये सब बंद हो चुका है। ये आपके एक वोट ने किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनातन धर्म की रक्षा के साथ ही भारत का मान-सम्मान दुनिया में बढ़ाया : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्रीजी ने भारत का झंडा चांद पर गाड़ दिया: ज्योतिरादित्य सिंधिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड, गुना, ग्वालियर लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान गुना में भाजपा प्रदेश व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं केन्द्रीय मंत्री व पार्टी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी सभा को संबोधित किया

भिंड, ग्वालियर, गुना । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिण्ड लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती संध्या राय के समर्थन में अटेर, गोहद एवं दतिया के भांडेर में, ग्वालियर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में पोहरी एवं गुना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में गुना में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 70 सालों में कई पाप किए हैं। इनके माथे पर कई कलंक है। इन्होंने भगवान श्रीराम का आमंत्रण ठुकराकर महापाप भी किया है। हमारे सनातन धर्म में कहते हैं कि पापियों को यदि माफ कर दो तो इनके पाप भी हमारे माथे पर आ जाते हैं, इसलिए कांग्रेस के पापों को माफ

नहीं करना है। राहु-केतु की तरह कांग्रेस पार्टी में भी दो ग्रह हैं एक कमलनाथ और दूसरे दिग्विजय सिंह, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह खा गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने सनातन धर्म की रक्षा करने के साथ ही देश का मान-सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ाया है। इस दौरान गुना लोकसभा क्षेत्र के गुना में आयोजित जनसभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेसियों पर इतना रस चढ़ा दो कि किसी बहन के बारे में बोलने से पहले सोचें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी गरीबों की आंखों में खुशियां लेकर आए है। केंद्रीय मंत्री व गुना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास कार्य में कोई कमी नहीं छोड रही है। प्रधानमंत्री जी ने भारत का झंडा चांद पर गाड दिया है।

शेष पृष्ठ 5 पर.....

पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर चल रही है: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया व वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में रोड शो में शामिल होकर मांगे वोट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में ग्वालियर में आयोजित रोड शो में शामिल होने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की लहर चल रही है। हर तरफ मोदीमय माहौल है। ग्वालियर की जनता का अपार स्नेह और प्यार पाकर मन गदगद हो गया है। जिस तरह से ग्वालियर के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद, स्नेह दिया है उससे यह बात तय हो गयी है कि इस बार ग्वालियर में भाजपा नया इतिहास बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर की धरती जनसंघ के जमाने से ही प्यार, स्नेह देती रही है और आगे भी जनता का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा।

भारत को विकसित राष्ट्र, मोदी जी को फिर प्रधानमंत्री बनाने पार्टी नेताओं ने मांगा जनता से आशीर्वाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने, भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र तथा वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए पार्टी नेताओं ने शनिवार को ग्वालियर में रोड शो के माध्यम से जनता से आशीर्वाद मांगा तथा पार्टी प्रत्याशी को जिताने की अपील की। रोड शो के दौरान ग्वालियर की सड़कें फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के नारों से गूंज उठी। रोड शो के दौरान रथ पर सवार पार्टी नेताओं का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया व वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ रथ पर सवार होकर प्रदेश शासन के मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाह, संभाग प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, सभापति मनोज तोमर ने जनता का अभिवादन किया।

शेष पृष्ठ 5 पर....

2024 चुनाव राष्ट्र के निर्माण की दिशा तय करेगा: नरेन्द्र सिंह

मप्र विस अध्यक्ष तोमर, लोनिवि मंत्री राकेश सिंह ने चुनावी सभा में कहा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव जाति-बिरादरी, दोस्ती-यारी और क्षेत्र की समस्याओं वाला चुनाव नहीं है। यह चुनाव भारत के निर्माण की दिशा तय करने वाला चुनाव है।

विस अध्यक्ष श्री तोमर, शनिवार को भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में दिमनी विधानसभा क्षेत्र के थरा गांव में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

सभा में मप्र शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद थे। जनसभा में विस अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि बीते 10 साल में तंवरघार सहित समूचे मुरैना-श्योपुर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हुए है। भविष्य में भी विकास कार्यों में कमी नहीं आने दी जाएगी। श्री तोमर ने कहा कि उसैद घाट पर जल्द ही पक्का पुल बनकर तैयार हो जाएगा। जिसके बाद तंवरघार के लोगों के लिए यूपी के आगरा तक पहुंचनें में महज 20 मिनट लगेंगे। श्री तोमर ने कहा कि डाकुओं के नाम से बदनाम रहे मुरैना की पहचान अब देश में बदली है। कांग्रेस-बसपा प्रत्याशियों को लेकर उन्होंने कहा कि जो हाथी यूपी में सीएम योगी के मारे हांफ रहा है, वो यहां क्या कर पाएगा। कांग्रेस अधर्म के साथ जबकि भाजपा धर्म के खड़ी है। जनसभाओं में लोनिवि मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व से दुनिया के देश अब भारत की ओर सम्मान की दृष्टि से देखते है। तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के पीएम बनने से भारत को विश्व गुरू बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। जनसभाओं में भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह, जपं अध्यक्ष मधुरिमा तोमर, गजेन्द्र सिंह तोमर, जिनेश जैन, सत्यप्रकाश सखवार, प्यारे सिंह तोमर, महेन्द्र यादव, बृजमोहन सिंह तोमर आदि उपस्थित थे।

जीवन में सफलता के लिए आत्म-संयम ज़रूरी है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- अति स्वच्छंदता, प्राकृतिक नियमों की अवहेलना एवं सदाचार के अभाव के कारण समाज में अनेक विकृतियाँ हैं। स्वस्थ एवं निरापद जीवन का आधार है - आत्म-संयम। संयम सदाचार एवं मर्यादाओं के अनुपालन से न केवल अनेक विसंगतियों से बचा जा सकता है, अपितु स्वयं और समाज को भी अति उन्नत बनाया जा सकता है। अतः संयमित रहें ..! जीवन में सफलता के लिए जरूरी है - आत्म-संयम। आत्म-संयम अर्थात् अपने आवेगों भावनाओं या इच्छाओं पर स्वनियंत्रण। मानव जीवन में आत्म-संयम की आवश्यकता को सभी विचारशील व्यक्तियों ने स्वीकार किया है। सांसारिक, व्यवहारिक सम्बन्धों को परिष्कृत तथा सुसंस्कृत रूप में स्थित रखने के लिए संयम की अत्यन्त आवश्यकता है। संस्कार के प्रत्येक क्षेत्र में जीवन के प्रत्येक पहलू पर सफलता, विकास एवं उत्थान की ओर अग्रसर होने के लिए संयम की बड़ी उपयोगिता है। विश्व के महान पुरुषों की जीवनी का अध्ययन करने पर पता चलता है कि उन्होंने जीवन में जो भी सफलता, उन्नति, श्रेय, महानता आदि की प्राप्ति की उसके मूल में आत्म-संयम रहा। इसमें कोई संदेह नहीं कि आत्म-संयम के पथ पर चलकर ही मनुष्य वास्तविक देवतुल्य मानव बनता है। जन-जन का प्रिय भी बन जाता है, जिसके पीछे चलकर मानव जाति धन्य हो जाती है। अपनी मानसिक वृत्तियों, बुरी प्रवृत्तियों एवं वासनाओं पर नियंत्रण पाना ही संयम के पथ पर अग्रसर होना है। इससे मनुष्य की शक्तियों का व्यर्थ ही क्षरण न होकर केन्द्रीयकरण होने लगता है, जो जीवन में विशिष्टता लाता है। आत्म-संयम के इस कठिन पथ पर चलने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आत्म-संयम के पथिकों को प्रतिदिन आत्म-निरीक्षण करते रहना अनुपेक्षणीय है। अपने विचारों एवं कृत्यों के बारे में हमेशा सूक्ष्म निरीक्षण करते रहना चाहिए। प्रतिदिन आत्म-निरीक्षण करने से संयम और चरित्र गठन की ओर सरलता से बढ़ा जा सकता है। इसके लिए डायरी लेखन का भी सहारा लिया जा सकता है। संयम साधना में इससे अत्यधिक सहयोग मिलेगा।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - आत्म-संयम अर्थात् मन एवं इन्द्रियों को वश में रखना। हमारा मन यदि वश में है तो किसी भी प्रकार का लोभ या मोह हमें पथ भ्रष्ट नहीं कर सकता। मनुष्य की पहचान उसके मन से ही होती है और मन की गति बहुत तीव्र होती है। जो व्यक्ति अपने मन पर नियंत्रण रखना जानता है, वह आत्म-संयम के साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करता है। लेकिन,

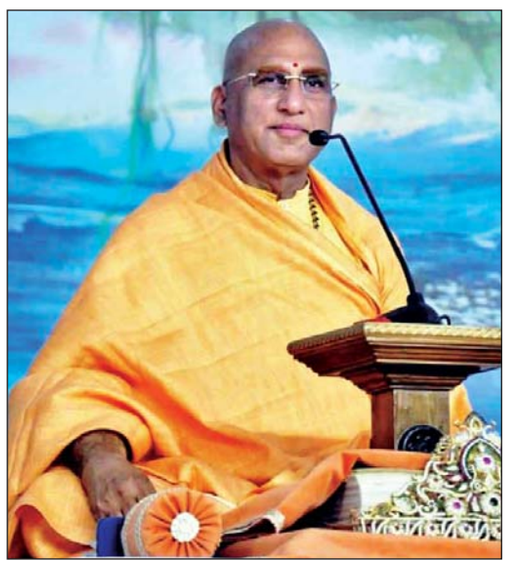

जो अनियंत्रित गति से दौड़ रहे मन के साथ कदम-ताल मिलाते हुए आगे बढ़ते हैं, उन्हें काफी कष्ट उठाना पड़ता है। उदाहरण के लिए एक छात्र को ही ले लें। परीक्षा की तैयारी करते समय यदि उसका मन इधर-उधर भागेगा तो पढ़ाई में नहीं लग पाएगा। ऐसे में वह परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने से वंचित रह जायेगा। परीक्षा भवन में भी बहुत से विद्यार्थी सब कुछ याद होते हुए भी केवल इसलिए मात खा जाते हैं कि प्रश्नपत्र सामने आते ही वे धैर्य खो बैठते हैं और अतिशीघ्र प्रश्नपत्र हल करने के भय में या तो आधा अधूरा करके आते हैं या फिर गलत उत्तर लिख कर आ जाते हैं। यदि पढ़ाई करते समय ही उन्हें अपने मन एवं भावनाओं पर नियंत्रण रखने तथा धैर्य के साथ प्रश्नों को समझ कर उनका उत्तर देने की शिक्षा दी जाए तो उनके प्रदर्शन में अत्यधिक सुधार हो सकता है। इस प्रकार आत्म-संयम का दूसरा अर्थ हुआ - 'धैर्य'। जीवन के हर क्षेत्र में धैर्यवान रहने की आवश्यकता होती है। जब मन पूर्ण रूप से स्थिर एवं एकाग्र होता है तभी उसकी शक्ति सकारात्मक कार्यों में व्यय होती है। क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, लोभ, मोह, स्वार्थ ये सब मन के भटकने के ही कारण हैं। मन की इस भटकन के साथ कोई भी कार्य एकाग्रता से नहीं हो सकता। आत्म-संयम से ही प्रबल इच्छा शक्ति उत्पन्न होती है और प्रबल इच्छाशक्ति से परिपूर्ण व्यक्ति ही प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकता है। मनुस्मृति में कहा गया है कि जिस तरह दीमक अपने निवास के निर्माण के लिए धीरे-धीरे बांबी बनाती है, उसी तरह हमें भी परलोक में अपने जीवन को सुधारने के लिए किसी भी अन्य जीव को कष्ट पहुँचाये बिना पुण्य कर्मों का संग्रह करना चाहिए। वास्तव में हृदय की विशालता, सौम्यता, उदारता, आत्म-संयम तथा निष्कपट स्वभाव, ये सब एक साथ मिलकर मानसिक पवित्रता कहलाते हैं। आत्म-संयम के साथ समस्त कार्य करना ही मानसिक तप कहलाता है। ऐसा करने वाला व्यक्ति दृढ़निश्चयी होता है तथा जीवन के हर क्षेत्र में उसे सफलता ही हाथ लगती है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - आत्म संयमित व्यक्ति इच्छाओं से मुक्त हो जाता है, उसका हृदय शान्त हो जाता है तथा वह आत्मज्ञान को प्राप्त होता है। यद्यपि ऐसा करना कठिन है, किन्तु यह ही वास्तविक निर्वाण भी है तथा जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति का सोपान भी। इसके लिए अधिक कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। बस प्रतिदिन निश्चित समय पर स्वच्छ स्थान व शुद्ध आसन पर बैठकर, सब ओर से ध्यान हटाकर सर्वप्रथम श्वांस को नियंत्रित करने का प्रयास करें, क्योंकि यदि इसकी गति नियमित नहीं होगी तो ध्यान में एकाग्रता नहीं आ पायेगी। इसके बाद अपने लक्ष्य पर ध्यान एकाग्र करने का प्रयास करें। प्रारम्भ में कठिनाई होगी। लेकिन, धीरे-धीरे ध्यान लगने लगेगा। ध्यान की ही अवस्था में अपने भीतर झाँकने का प्रयास करें। इस प्रकार धीरे-धीरे मन संयमित होने लगेगा। आत्म-संयम के अभिलाषियों के लिए दोष और बुराईयों को जानबूझकर छिपाना अथवा स्वीकार करने में संकोच करना सर्वथा अनुपयुक्त है। चरित्र गठन या आत्म-संयम के लिए अपनी बुराईयों को मुक्त कंठ से स्वीकार करना होगा। इसका अभ्यास स्वयं से प्रारम्भ करना चाहिए। आत्म-संयम के लिए नैतिक बल बढ़ाना भी जरूरी है। ज्यों-ज्यों मनुष्य का नैतिक स्तर ऊँचा होता जायेगा, त्यों-त्यों विचारों-कार्यों में संयम बढ़ेगा। संयम साधना में संगति एवं स्थान का भी अत्याधिक प्रभाव पड़ता है। दुर्विचारों वाले व्यक्तियों के साथ तथा उन स्थानों पर रहकर जहाँ असंयमित वातावरण व्याप्त होता है, संयम साधना में सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती, क्योंकि इनसे अपनी बुरी आदतों दुर्विचारों एवं दुष्कार्यों को और भी प्रोत्साहन मिलता है। जिस कारण से मनुष्य अपने पवित्र लक्ष्य में असफल हो जाता है। आत्म-संयम की ओर अग्रसर होने के लिए विपरीत संगति, स्थान और वातावरण का त्याग करना होगा। आत्म-संयमी होने के कई लाभ हैं।

विस अध्यक्ष तोमर, प्रदेशाध्यक्ष शर्मा व पूर्व केन्द्रीय मंत्री पचौरी आज आयेंगे

दिमनी, सुमावली, अम्बाह विधानसभाओं में लेंगे बैठकें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रबुद्धजनों की

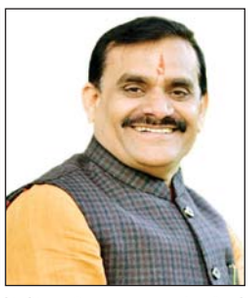

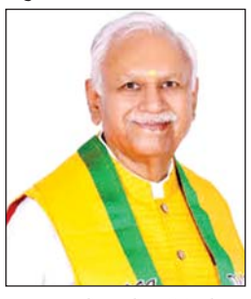

बैठक एवं जन चौपाल कार्यक्रमों में शामिल होने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी एवं मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज मुरैना आएंगें। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह भदौरिया ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा रविवार 05 मई की दोपहर 1 बजे दिमनी विधानसभा क्षेत्र के सुरजनपुर गांव में प्रबुद्धजनों की बैठक में शामिल होंगे। इसी क्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सुबह 11 बजे सुमावली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मुरैनागांव के पास स्थित सिद्धार्थ होटल में एवं दोपहर 2 बजे अंबाह के एसआरएम गार्डन में प्रबुद्धजन बैठकों में शिरकत करेंगे। श्री पचौरी रविवार की शाम 5 बजे मुरैना शहर स्थित भाजपा के लोकसभा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर रविवार की सुबह 11 बजे सुमावली क्षेत्र के गलेथा गांव एवं अपरान्ह 3 बजे पोरसा क्षेत्र के धनेटा गांव में जन चौपाल कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है. दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार में लगातार 15 वर्षों तक मंत्री रहे राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक नसीब सिंह एवं नीरज बसोया और अमित मलिक ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया. केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी, संजय मयूख और भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में अरविंदर सिंह लवली, राजकुमार चौहान, नसीब सिंह, नीरज बसोया और अमित मलिक ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

cmyk

जिला न्यायालय अनूपपुर में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

शिविर में 32 यूनिट रक्त का किया गया संग्रह

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन जिला न्यायालय परिसर अनूपपुर में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ महात्मा गांधी की प्रतिमा में पुष्प अर्पण व समक्ष मे दीप प्रज्जवलन के साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह द्वारा किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, डिफेंस काउंसिल, न्यायालयीन स्टाफ, चिकित्सालय स्टॉफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह एवं एस.डी.ओ.पी. सुमित केरकेट्टा के द्वारा रक्तदान कर शिविर का प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात न्यायाधीशगणों, अधिवक्तागणों, पुलिस बल, प्राध्यापकों, न्यायालीन कर्मचारियों के साथ ही अन्य नागरिकों ने भी अपना रक्त देकर इस शिविर को सफल बनाया। शिविर में 32 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रविन्दर सिंह ने कहा कि रक्तदान से किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या नहीं होती है। शिविर में डॉ. एस.सी. राय ने बताया कि हर तीन माह में रक्तदान किया जा सकता है। रक्त देने से हमारे स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की कोई बीमारी नहीं होती है। इस अवसर पर रक्त दान करने वाले व्यक्तियों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और आग्रह किया गया कि ऐसे ही हम सबको रक्तदान करते रहना होगा, ताकि जरूरतमंद को आवश्यकता होने पर रक्त उपलब्ध हो सके।

जिला न्यायालय में आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस कर्मियों ने भी किया रक्तदान

न्यायालय अनूपपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में एसडीओपी सुमित केरकेट्टा एवं कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन द्वारा भी रक्तदान किया गया।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये दुकानदार भी कर रहे जिला प्रशासन का सहयोग

अमिट स्याही दिखाने पर बाबूलाल मंगोड़े वाले देंगे 20 प्रतिशत का डिस्कांउट

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना की टीम दिन-रात मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये नई-नई स्वीप की गतिविधियां संचालित कर रहीं है। वहीं शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी भी जिला प्रशासन का मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये सहयोग प्रदान कर रहें है।

जौरा के प्रसिद्ध बाबूलाल मंगोडे वाले ने बताया है कि अमिट स्याही ऊंगली पर दिखाने पर मंगोडे खरीदने पर 20 प्रतिशत का डिस्काउंट दिया जायेगा। वहीं जौरा के प्रसिद्ध भगतजी चाट भंडार द्वारा मतदान करने वाले व्यक्ति को 10 प्रतिशत डिस्काउंट देने की बात कही है। ये डिस्काउंट मतदान वाले दिन ही दिया जायेगा। इनके अलावा और दुकानदार भी अपनी-अपनी सामग्री बेचने पर डिस्काउंट देने की बात कर रहे हैं।

समर कैंप के तहत अनूपपुर जिले में आयोजित की जा रही खेल गतिविधि

शनिवार को 18 कैंपों में युवाओं को दिया गया खेल का प्रशिक्षण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के निर्देशन में शनिवार को जिले के 18 खेल प्रांगणो में समर कैंप का आयोजन किया गया।

हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारे शरीर का स्वस्थ्य होना है शरीर स्वस्थ्य रहे तभी हम संपूर्ण कार्य बिना रुके कर सकते है। बच्चो का संपूर्ण विकास हो और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद, योग आदि बहुत जरूरी है। समर कैंप में चित्रकला, कविता, लेखन आदि कई प्रकार की विधाओं के साथ वॉलीबॉल, फुटवाल, एथलेटिक्स, योग, पीटी, हैंडवाल आदि कई विधाओं को सम्मलित कर युवाओ एवं बच्चो को ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अनूपपुर जिले में युवा कल्याण विभाग,स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग के सयुक्त तत्वाधान में कैंप का आयोजन सुबह और शाम दोनो पालियो में समय चक्र तय कर कैंप आयोजित किया जा रहा है। कैंप में सभी खिलाड़ी खेल की बारीकियों को बड़े मन के साथ सीख रहे हैं। गौरतलब है कि क्रीड़ा प्रभारी, खेल शिक्षक, उत्कृष्ट खिलाड़ी सहित अन्य लोगों के सहयोग से कैंप का आयोजन 01 मई से किया जा रहा है। जिला क्रीड़ा अधिकारी जनजातीय कार्य विभाग शेख खलील कुरेशी, युवा कल्याण विभाग रामचंद्र यादव सहित अन्य अधिकारियों का विशेष योगदान है।

समर कैंप मे विशेष सहयोगी दल महेंद्र सिंह, संगीता दीन बादल राय, मिथलेश सिंह, बश्नता परस्ते, सलीम सिद्दीकी, अरुण सिंह, रोहित चौधरी, संदीप कुमार, दीपक राठौर, मिथलेश मिश्रा, शेख कुनेन, शेख खैयाम, मनोज सोनी एवं उपेन्द्र कुमार मिश्रा व खेल प्रेमियों का भी सहयोग है।

विदिशा लोकसभा के प्रभारी राजाराम शिवहरे ने ग्रामीण क्षेत्रों में किया सघन जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

विदिशा। विदिशा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान को प्रचंड बहुमत से जिताने हेतु आज विदिशा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के प्रभारी राजाराम शिवर ने ग्रामीण क्षेत्रों में दौरा किया और दौरा कर क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की कि शिवराज सिंह चौहान को प्रचंड बहुमत से जितायें। इस हेतु उन्होंने ग्राम कोटरा, ग्राम मर्दानपुर, ग्राम परवलिया, रायसेन, सांची, सलामतपुर आदि क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क किया। यहां के ग्रामीणों बातचीत की और उनको भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के पक्ष में वोट करने हेतु निवेदन किया। सभी ग्रामीण वासियों ने इस बात से सहमति व्यक्त करते हुए कि वह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करेंगे और शिवराज सिंह चौहान को प्रचंड बहुमत से विजय

दिलायेंगे। ग्राम वासियों ने क्षेत्र की पुल एवं सड़क निर्माण कि समस्या प्रमुख रूप से रखी, जिस पर लोकसभा प्रभारी राजाराम शिवहरे ने ग्रामीण जनों को आश्वस्त किया कि चुनाव बाद आपकी समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करायेंगे। बैठक को लोकसभा के सह प्रभारी नरेश यादव ने भी संबोधित किया। बैठक में मेहताब सिंह यादव, अरविंद यादव, सौदान सिंह सेन, सत्यम यादव, मेहताब सिंह, मनमोहन यादव, दामोदर सिंह यादव, हरि सिंह प्रजापति, मनीष यादव, रामकृष्ण शर्मा, डालचंद सेन, राज मोक्ष यादव सौदान यादव, मनोज यादव, अजय यादव दशरथ सिंह, हृदय मोहन बघेल, अनिकेत यादव, मेहरबान सिंह यादव, नितेश यादव, महेश रैकवार, वंश यादव, ऋतिम यादव, रतन सिंह बघेल, कुलदीप सिंह बघेल, राजेंद्र सिंह कुशवाहा, नारायण सिंह कुशवाहा, शुभम शर्मा, अजय कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, रोहित कुशवाहा, लालाराम कुशवाहा, सीताराम पाल, तरण सिंह, राजकुमार, रणवीर सिंह बघेल, कुलदीप सिंह बघेल, राकेश ठाकुर, राजेश गिरी, राहुल बघेल, शैलेंद्र बघेल, वीर सिंह बघेल, रतन सिंह बघेल, राजेश शर्मा आदि मौजूद थे।

अपनी ताकत को पहचान, चलो करें हम सब मतदान, विश्व में सबसे हो आगे, अपना भारत देश महान

जेएसएस श्योपुर ने रंगोली बनाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

श्योपुर। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान श्योपुर द्वारा 07 मई को श्योपुर शहर में होने वाले मतदान के महापर्व के अंतर्गत रंगोली बनाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया।

जन शिक्षण संस्थान श्योपुर के डायरेक्टर अजय कुमार सक्सैना द्वारा बताया गया कि हमारे श्योपुर शहर में 07 मई को मतदान होने वाला है इस महापर्व में आप लोग बढ़-चढ़कर भाग लें क्योंकि मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी बात रखना जरूरी है सभी को बोट देने का अधिकार है जिसका अर्थ है कि सभी भारतीय अपनी पसंद के प्रधानमंत्री के लिए वोट कर सकते हैं। मतदान करके आप बदलाव ला सकते हैं और अपने समुदाय में बदलाव ला सकते है मतदान

करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आप किसी कानून को तभी निरस्त कर सकते हैं जब अधिकांश नागरिक उससे सहमत हों।

इसी क्रम में सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति कुसुम जादौन ने बताया कि मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है, जो हमारे देश के भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। मतदान राजनेताओं को उनके

कार्यों के लिए जवाबदेह बनाए रखने में मदद करता है और हमारे लोकतंत्र के लिए रूपरेखा तैयार करता है। मतदान यह भी सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक अधिकारियों को उन लोगों से कर राशि का भुगतान किया जाता है, जो उन्हें भुगतान करने में सक्षम हैं। सभी में से सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह है कि कर कैसे खर्च किया जाए मतदान यह सुनिश्चित करता है कि हमारी सरकार के बजट में जो भी जाता है उसके लिए जवाबदेही है। आखिरी जीच जो हम चाहते है कि वह यह है कि राजनेता जनता के वोट के प्रति जवाबदेह हुए बिना सार्वजनिक धन खर्च करने में सक्षम हों। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर अजय सक्सैना, सहायक कार्यक्रम अधिकारी कुलदीप कुमार सक्सैना, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कुसुम जादौन, प्रीति भार्गव, गोविंद शिवहरे, कुलदीप गौड एवं प्रशिक्षणार्थी आदि उपस्थित रहे।

6 एवं 7 मई को कृषि उपज मंडी समिति मुरैना पूर्णतः बंद रहेगी

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 को ध्यान में रखते हुये कृषि उपज मंडी मुरैना 6 एवं 7 मई को पूर्णतः बंद रहेगी। कृषि उपज मंडी मुरैना के सचिव ने बताया है कि मतदान के दौरान मंडी अधिकारी, कर्मचारी चुनाव के दौरान कार्य में व्यस्त रहेंगे, इसलिये 6 एवं 7 मई को कृषि उपज मंडी पूर्णतः बंद रहेगी।

'श्रीमद रामायण' के सुंदरकांड अध्याय में माता सीता की खोज में लंका पहुँचे भगवान हनुमान

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर, श्रीमद रामायण भगवान राम और उनकी शिक्षाओं को प्रदर्शित करके दर्शकों का दिल जीत रहा है। आगामी सुंदरकांड अध्याय में, दर्शक भगवान हनुमान की बहादुरी, निष्ठा और बुद्धिमत्ता को देखेंगे क्योंकि वह माता सीता को खोजने और राम का संदेश पहुंचाने के महत्वपूर्ण मिशन पर निकले हैं।

सभी मुश्किलों को पार करते हुए, भगवान हनुमान पर्वत देवता - मैनाक पर्वत जैसी विशाल बाधाओं को पार करते हुए अपना सफर जारी रखेंगे, और समुद्री राक्षसी सुरसा पर विजयप्राप्त करेंगे, जो उन्हें पूरा निगलने की कोशिश करती है, लेकिन भगवान हनुमान चतुराई से सिंहिका को भी मात देंगे और जिसके बाद वह अपनी यात्रा को जारी रखेंगे। लंका के तट पर पहुंचने पर, उनका सामना लंका की द्वारपाल देवी लंकिनी से होता है। वह अपनी बेजोड़ ताकत और संकल्प से लंकिनी को एक भीषण युद्ध में हरा देते हैं, जो रावण के साम्राज्य के पतन का संकेत है।

इस महत्वपूर्ण पल पर प्रकाश डालते हुए, शक्तिशाली भगवान हनुमान का किरदार निभाने वाले, निर्भय वाधवा अपने किरदार के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हुए कहते हैं, 'सुंदरकांड अध्याय भगवान राम के प्रति भगवान हनुमान की अटूट भक्ति और उनकी सेवा करने हेतु कोई भी कार्य सिद्ध करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। लंका पहुंचने केलिए समुद्र पार करके अपनी अपार शक्ति और चपलता दिखाते हुए, भगवान हनुमान को रास्ते में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भगवान राम पर उनका विश्वास दृढ़ रहता है और उन्हें मार्ग में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। इस गाथा के इस महत्वपूर्ण हिस्से की शूटिंग करना रोमांचक अनुभव रहा है और यहां से, शो में बुराई के विरुद्ध अच्छाई के युद्ध में ऐसे कई महत्वपूर्ण पल देखने को मिलेंगे।'

इस सप्ताह, 'श्रीमद रामायण' पर प्रसारित 'सुंदरकांड अध्याय' देखें, रात 9:00 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर।

एक अभिनेता और एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए बहुत बड़ी सीख 'स्टैंड अप'- ज़ैन खान

अभिनेता ज़ैन खान एक प्रतिष्ठित फ़िल्मी परिवार से हैं। उनके दादा नासिर हुसैन ने 'कारवां', 'यादों की बारात' और कई अन्य सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया है। उनके पिता मंसूर खान ने 'कयामत से कयामत तक' और 'जो जीता वही सिकंदर' जैसी मशहूर हिट फिल्में बनाई हैं, जबकि आमिर खान उनके चाचा हैं। ज़ैन ने भी लेखन और निर्देशन के उद्देश्य से इंडस्ट्री में कदम रखा था लेकिन भाग्य ने उन्हें एक्टिंग जगत में एक आशाजनक करियर की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

ज़ैन, जिन्हें 'मेड इन हेवन', 'फील्स लाइक इश्क' जैसे प्रमुख ओटीटी शो में देखा गया है, अब वह 'स्टैंड अप' में भी अभिनय कर रही है, जो 'ज़ी थिएटर' का एक टेलीप्ले है, और संभावित जीवन बदलने वाले ओपन-माइक इवेंट की तैयारी कर रहे पांच महत्वाकांक्षी कॉमिक्स के बारे में बताती है। 'स्टैंड अप' के साथ अपने सफर को याद करते हुए, वह कहती हैं, 'मैं वास्तव में बहुत भाग्यशाली हूँ, कि आकर्ष खुराना ने मुझे लेयर्ड और दिलचस्प किरदार दिया है। मेरा किरदार माया बहुत रहस्यमय है, और शुरुआत में उसकी अस्पष्टता ने मुझे असल में डरा दिया था। मैं जीवन को ब्लैक एंड वाइट में देखती थी लेकिन इस किरदार ने मुझे ग्रे शेड्स देखने और मानवीय चरित्र की जटिलता की सराहना करना सिखाया, यह एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए बहुत बड़ी सीख थी।' 'स्टैंड अप' एक लोकप्रिय ज़ी थिएटर टेलीप्ले बनने से पहले, ज़ैन ने इसे मुंबई में लाइव भी प्रदर्शित किया और बताया कि, 'यह मुंबई में मेरा पहला प्रोफेशनल प्ले था। मैं आकर्ष के साथ भी पहली बार काम कर रही थी, और यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया था, उसे साबित करने के लिए हम लगभग एक सप्ताह की रिहर्सल के समय में नाटक प्रस्तुत कर रहे थे, इसलिए स्वाभाविक रूप से, मैं घबराई हुई थी और वास्तव में पूरे शो के दौरान मैं डर से कांप रही थी। दर्शक देखेंगे कि मैं कितनी डरी हुई थी। पूरे समय मंच पर मेरे पैर काँप रहे थे, लेकिन किसी तरह इस चिंता ने मुझे समय बीतने के साथ बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की।' 'स्टैंड अप' में अबीर अबरार, आधार खुराना, ओंकार कुलकर्णी, सारंग सथाये, चैतन्य शर्मा, कशिन शेट्टी और निपुण धर्माधिकारी भी हैं। 16 मई 2024 को एयरटेल सॉटलाइट, डिश टीवी रंगमंच एक्टिव और डी2एच रंगमंच एक्टिव पर स्टैंड अप देखें!

शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील

मुरैना। शासकीय विधि महाविद्यालय मुरैना की प्राचार्य डॉ. अंजली मुदगल ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान स्वीप गतिविधियों के तहत छात्र-छात्राओं ने पोस्टर बनाकर समस्त जिलेवासियों से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की है।

नॉर्थ गोवा से सीट से पाँच बार अजय रहे हैं सांसद श्रीपद नाइक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

पणजी। केंद्रीय मंत्री श्रीपद येसो नाइक लगातार छठवीं बार नॉर्थ गोवा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। अब तक अजेय रहे नाइक की जीत इस बार भी पक्की मानी जा रही है। क्षेत्र के मतदाताओं के बीच नाइक की जबरदस्त लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा ने पहली सूची में ही उनकी उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया था। उनका प्रचार बिल्कुल आखिरी दौर में चल रहा हैं। नार्थ गोवा में 07 मई को मतदान होना है।

नाइक कलचुरी (कलवार, कलाल, कलार) समाज से हैं और उनके चुनाव प्रचार अभियान में सहायता के लिए अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार जायसवाल एडवोकेट दिल्ली से गोवा पहुंचे हुए हैं। नाइक ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रखी है। वह लगातार क्षेत्र की जनता से मिल रहे हैं, नुक्कड़ सभाएं कर गोवा के विकास के लिए केंद्र के लिए राज्य की भाजपा सरकार के कार्यक्रमों की जानकारी दे रहे हैं। नार्थ गोवा संसदीय क्षेत्र पर कांग्रेस ने पूर्व डिप्टी सीएम रमाकांत खलप को उतारा है।

एडवोकेट एसके जायसवाल ने बताया कि अभी तक की स्थिति में खलप किसी भी तरह नाइक की टक्कर में नहीं हैं। और, इस बार नाइक के साथ मतदाताओं की सहानुभूति भी है। बता दें कि जनवरी, 2021 में श्रीपद नाइक के साथ एक बड़ा हादसा हुआ था, कर्नाटक के कन्नड जिले में उनकी कार सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी थी। इस दुर्घटना में श्रीपद नाइक की धर्मपत्नी श्रीमती विजया और कार ड्राइवर की मौत हो गई थी। नाइक भी बुरी तरह घायल हुए थे। हादसे के दो साल बाद भी क्षेत्र के मतदाता इसे भूले नहीं हैं जो क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता की मिसाल है।

नाइक ने बताया कि सांसद के रूप में अब तक के 25 साल से अधिक लंबे करियर में उन्होंने हमेशा ही अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता में रखा है। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व ने लगातार छठी बार उन पर भरोसा जताया है, इसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आभारी रहेंगे।

बता दें कि श्रीपद नाइक यहां 1999 से लगातार सांसद चुने आते रहे हैं। यह उनका लगातार छठवां चुनाव है और वह जीतते हैं तो लगातार छठवीं बार सांसद निर्वाचित होंगे। आपको बता दें कि श्रीपद नाइक कलचुरी समाज से हैं लेकिन अखिल भारतीय स्तर पर कलचुरी समाज के बीच इस रूप में उनकी पहचान एडवोकेट एस.के. जायसवाल ने कराई। नाइक देशभर में कलचुरी समाज के कार्यक्रमों में भागीदारी करते हैं।

दहेज कम मिलने पर डॉक्टर ने पत्नी से की हैवानियत, घर से निकाला, मामला दर्ज

ग्वालियर। अस्सी लाख रुपए की जगह चालीस लाख रुपए में शादी होने से डॉक्टर पति ने पत्नी से हैवानियत की सारी हदें पार कर दी और नवविवाहिता को डाक्टर और उसके परिजनों ने घर से निकाल दिया। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम की है। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने दंपत्ति के बीच काउंसलिंग कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस सफल नहीं हुई तो पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मुरार निवासी नवविवाहिता ने शिकायत की है कि उसकी शादी 24 जनवरी 2024 को शताब्दीपुरम निवासी लोकेन्द्र सिंह से हुई है और लोकेन्द्र होम्योपैथिक की पढ़ाई जबलपुर से कर रहा है। शादी में उसके माता-पिता ने लोकेन्द के माता-पिता की मांग पर चालीस लाख रुपए की शादी की थी। शादी होने के बाद वह ससुराल पहुंची तो सास व ससुर ने उसे दहेज के लिए ताने दिए कि उनका लड़का डॉक्टर बनने वला है और उन्हें शादी में अस्सी लाख रुपए मिलते, इसलिए वह मायके से पांच लाख रुपए और एक कार लेकर आए। जब उसने माता-पिता की इतनी हैसियत नहीं होने को बोला तो वह उसे परेशान करने लगे। जब उसने पति से इस बारे में बात की तो वह भी उसे प्रताडित करने लगा और उसके साथ हैवानियत की। जब उसने इसकी शिकायत सास से की तो उसने भी बेटे का सहयोग किया।

जब लोकेन्द्र को पता चला कि नवविवाहिता ने उसकी मां से उसकी बातें बता दी है तो उसने उसके साथ हैवानियत की सारी हदें पार की और माता-पिता के साथ मिलकर उसे घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद वह थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनके बीच सहमति बनाने के लिए काउंसलिंग कराई, लेकिन बात नहीं बनी तो मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। महिला थाना प्रभारी दीप्ति सिह तोमर ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी, लेकिन वह अपने घर से गायब मिला है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पड़ाव चौराहे पर हुआ विशाल भंडारा

ग्वालियर। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर पडाव डफरन सराय

मित्र मंडल द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन शनिवार को किया गया। भंडारा दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक निरंतर चलता रहा। इस दौरान 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह भंडारा प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर पड़ाव चौराहे पर आयोजित किया जाता रहा है।

बेकाबू बोलेरो चालक ने जो सामने आया उसे मारी टक्कर, पांच घायल

ग्वालियर। एक बेकाबू बोलेरो चालक के सिर पर रफ्तार का ऐसा नशा छाया कि जो भी उसके सामने आया उसे उड़ाता चला गया। घटना मुरार थाना क्षेत्र के पृथ्वीराज मार्ग की है। बोलेरो की टक्कर से चार वाहन क्षतिग्रस्त हुए और आधा दर्जन के करीब लोग घायल हो गए। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। राहगीरों ने बोलेरो चालक को पकड़कर पहले उसकी जमकर हजामत बनाई और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

मुरार थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी कर्मवीर यादव पुत्र नरेन्द्र सिंह यादव एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। बीते रोज वह अपनी ड्यूटी करने के बाद ई रिक्शा में बैठकर वापस घर जा रहा था। अभी वह पृथ्वीराज मार्ग पर पहुंचा तो सामने से तेज रफ्तार आ रही बोलेरो क्रमांक एमपी 07 सीडी 0534 के चालक ने अपने वाहन को तेज रफ्तार चलाते हुए रांग साइड आया और उनके ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई रिक्शा पलट गया और उसमें सवार कर्मवीर, बानो खान, गुड्डू शाह व दो अन्य के साथ ही ई रिक्शा का चालक हाकिम बघेल घायल हो गया।

ई रिक्शा में टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक ने अपने वाहन को भगाने का प्रयास किया और इसके बाद उसने एक अन्य ई-रिक्शा और उसके बाद स्कूटी में टक्कर मारी, जिससे स्कूटी सवार दिव्यांशु यादव घायल हो गए। इसके बाद आरोपी चालक ने भागने का प्रयास किया, जिससे कुछ अन्य वाहन हादसे का शिकार होने से बचे।

इसके बाद बोलेरो एक पत्थर से टकराकर रूक गई और लोगों ने आरोपी चालक को पकड़ लिया है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

चोरी के प्रकरण को वापस लेने फरियादी को धमकाया

– सीएम हेल्पलाइन की तब कहीं तीन लाख की जगह 70 हजार की चोरी होने की एफआईआर हुई

ग्वालियर। सर्वमानव कल्याण महासंघ ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया है कि बीती 9 अप्रैल को थाना बहुआपुरा जिला दतिया अंतर्गत गौरीशंकर प्रजापति के घर तीन लाख के गहने सहित नगदी की चोरी हो गई थी। जबकि संबंधित थाना प्रभारी पहले तो एफआईआर दर्ज न कर धमकी देने पर उतारू हो गये थे। जब बाद में संघ के अध्यक्ष भानुप्रताप चौरसिया द्वारा सीएम हेल्पलाइनल पर शिकायत दर्ज कराई तब कहीं जाकर एफआईआर दर्ज हो सकी, लेकिन उसके बाद थाना प्रभारी द्वारा वहां के सरपंच और फरियादी गौरीशंकर प्रजापति को बुलाकर शिकायत वापस लेने के लिये कहा जाता है। यदि जिम्मेदार अधिकारी यही रवैया अपनाने लगे तो लोगों का पुलिस से विश्वास उठ जायेगा। ताज्जुब वाली बात यह है कि आवेदक के घर 3 लाख रूपये का सामान गया था और पुलिस के द्वारा केवल 70 हजार रूपये की एफआईआर काटी गई है और तो ओर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। फरियादी श्री प्रजापति ने बताया कि इस प्रकरण में शिकायत नंबर 26856149 है। पता वार्ड क्रमांक 28 थाटीपुर कालोनी जिला ग्वालिया है।

प्रभात फेरी के साथ हुआ वल्लभाचार्य जी के प्राकट्य उत्सव का शुभारंभ

ग्वालियर। अंर्तराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के तत्वावधान में जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी का पांच दिवसीय प्राकट्य उत्सव का शुभारंभ शनिवार को प्रभात फेरी, कुनवारा महोत्सव, छप्पन भोग एवं ठाकुरजी के विशेष मनोहारी श्रृंगार जैसे विविध धार्मिक आयोजनों के साथ हुआ। यह आयोजन 7 मई तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रतिदिन धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

संस्था के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल एवं महामंत्री मोहनदास अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के प्राकट्य उत्सव के आज प्रथम दिवस को कोटा से विशेष रुप से पधारे वैष्णव आचार्य शरद कुमार महाराज की उपस्थिति में प्रातः 6 बजे प्रभात फेरी गिर्राज धर्मशाला दौलतगंज से उल्लासपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुई। प्रभात फेरी महाराज बाड़ा, सर्राफ, पारख जी का बाड़ा होते हुए वापस दौलतगंज स्थित श्री गिर्राज धर्मशाला पहुंची। प्रभातफेरी के पूर्व प्रातः वैष्णव आचार्य शरद कुमार महाराज ने जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी का माल्यार्पण कर मनोहारी ढंग से श्रृंगार व पूजन किया। प्रभातफेरी के दौरान जगह जगह जगतगुरु महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी का भव्य श्रद्धापूर्ण स्वागत किया गया। श्रीनाथ जी का मंदिर, सराफ में महाराजश्री का आत्मीय स्वागत किया गया। गिर्राज धर्मशाला, दौलतगंज पर वैष्णव जन ने महाराजश्री का तिलक कर आरती की। सूरत, गुजरात से मंगाए गए विशेष चक्र आकर्षण का केंद्र रहे।

शाम को द्वारिकाधीश की हवेली, पारखजी का बाड़ा पर रजनीश व्यास, त्रिलोकीनाथ व्यास, शशिकरण मुखिया, राखी नागर मुखिया के सहयोग आयोजित कुनवारा महोत्सव में छप्पन भोग लगाया गया। ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया। सभी वैष्णवजन ने वैष्णव आचार्य शरद कुमार महाराज जी के दिव्य प्रवचनों का आनंद उठाया।

इस अवसर पर जमुनादास नागर, कुम्भन अग्रवाल, मुरली मनोहर अग्रवाल, परमानन्द अग्रवाल, हरिश्याम अग्रवाल, प्रणय अग्रवाल ष्पप्पू, राजेश सोनी, पुष्पा रस्तोगी, सीता नाहर, ममता गोयल, अमिता दवे, कुंजलता अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, गोविन्द जोहरी, मदनलाल राठी, लक्ष्मणदास सिंहल, रामनारायण शर्मा, सौरभ माहेश्वरी, आनंद अग्रवाल रंगवाले, पुरुषोत्तम सिंहल, अनुभव सिंहल, प्रणय सिंहल, यमुनेश नाहर, नवनीत अग्रवाल, उदित मंगल, राजीव गर्ग, अंकित खण्डेलवाल, संदीप जैन, कपिल भार्गव, एड. आदित्य भार्गव, अरूण चौबे ष्मथुरा वालेष, यमुनेश नागर, गिरराज नागर, रजनीश व्यास, त्रिलोकीनाथ व्यास, शशि किरण मुखिया, राखी नागर मुखिया, बृजेश गोयल, सुदर्शन गोयल आदि उपस्थित रहे।

आज के आयोजन

आज रविवार को प्रातः पालना मनोरथ महाराजश्री के सानिध्य में श्रीनाथजी की हवेली, सराफ बाजार में होगा। सायं 5 से 6 बजे तक लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी, इसके बाद महाराजश्री के वचनामृत, होंगे। ये आयोजन दौलतगंज स्थित गिर्राज धर्मशाला में होंगे।

आवासों की सुविधा उपलब्ध हो सकें, मंच ने शासन ने की मांग

ग्वालियर। मध्यप्रदेश अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच ग्वालियर मध्यप्रदेश ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि जो भी अधिकारी व कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं और उनके पास स्वयं का रहने के लिये आवास तक नहीं है। ऐसे सेवानिवृत्त और सेवाकाल में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को राहत पहुंचाई जाये। उन्हें रहने के लिये कुछ आवास बनवाये जाये।

उल्लेखनीय है कि महंगाई के जमाने में कर्मचारी बमुश्किल अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर पा रहे है। सभी कर्मचारी अपने पूरे सेवाकाल तक जो भी शासन से पारिश्रमिक, मानदेय, वेतन एवं अन्य भत्ते तो प्राप्त होते हैं, लेकिन इस मद से जीवत पर्यन्त तक रहने के लिये मकान या प्लाट तक नहीं ले सकें। मंच के संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष श्यामबाबू गुप्ता ने बताया कि कई कर्मचारी विभागीय दायित्वों का निर्वहन करते हुये सेवानिवृत्त हो जाता है और अपना निजी आवास की व्यवस्था भी नहीं कर पाता है और वह आवासहीन रह जाता है। अतः संगठन के द्वारा मध्यप्रदेश शासन से मांग की जाती है कि जिस प्रकार पत्रकारों के लिये पत्रकार कालोनी की सुविधा दी जाती है। ठीक उसी प्रकार से जो आवासहीन कर्मचारी है उनको आवास सुविधा मुहैया कराई जाये।

अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर की बैठक आज

ग्वालियर। अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर की 474वीं साप्ताहिक बैठक एवं मिनी परिचय सम्मेलन आज रविवार 5 मई को प्रातः 8.30 से 10 बजे तक ओमप्रकाश अग्रवाल के दीनदयाल नगर स्थित आवास पर रखी गई है। अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर परिवार के डॉ रामबाबू गोयल ने सभी अग्रबंधुओ से अपने एवं रिश्तेदारों के विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा लाकर मीटिंग में वाचन करने की अपील की है।

स्टंट करते वाहन चोर पकड़ा, चोरी के दो वाहन बरामद

ग्वालियर। आधी रात को सड़क पर स्टंट करते देख पुलिस ने युवक को टोका तो उसने दौड़ लगा दी। बाइक छोड़ युवक को भागते देखकर पुलिस को शंका हुई और उसका पीछा कर उसे पकड़कर जब उससे पूछताछ की तो पुलिस को पता चला कि पुलिस की गिरफ्त में आया युवक शातिर वाहन चोर है और चोरी की बाइक से स्टंट कर रहा था। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उससे एक अन्य चोरी का वाहन मिला है। पुलिस उससे पूछताछ में जुट गई है और अफसरों का मानना है कि पूछताछ के बाद चोरी के कुछ अन्य वाहन बरामद हो सकते हैं।

मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि बीती रात वह अपनी टीम के साथ ड्यूटी कर वापस आ रहे थे। तभी एक युवक बाइक पर खड़े होकर स्टंट करता नजर आया। रात में युवक किसी हादसे का शिकार ना हो जाए, यह सोचते हुए पुलिस की टीम युवक को समझाने के लिए उसके पास पहुंची, पुलिस को देखते ही युवक घबरा गया और अपनी बाइक छोड़कर भागने लगा। युवक को बाइक छोड़कर भागते देखकर पहले तो पुलिस टीम ने युवक का पीछा किया, सड़क पर भागदौड़ के बाद संदेही युवक को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए चोर ने अपना नाम दुर्गा प्रजापति निवासी नारायण विहार कॉलोनी बताया है।

पुलिस ने संदेही और उसकी बाइक को लेकर थाने लाकर पूछताछ की तो एक घंटे तक युवक पुलिस से डरकर भागने की कहता रहा और पुलिस को शक था तो उससे पूछताछ करती रही। करीब एक घंटा बीतने के बाद युवक टूट गया और बताया कि वह वाहन चोर है। चोरी करके बाइक को लाया था। चलती बाइक पर उसे स्टंट करना आता है, इसी के चलते वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने उससे पूछताछ की तो उसने एक एक्टिवा बरामद कराई है। पुलिस पकड़े गए वाहन चोर से चोरी की अन्य वारदातें उगलवाने के लिये पूछताछ कर रही है।

जिला शांति समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला शांति समिति के सभी सदस्यों से अपील की है कि 7 मई को लोकसभा चुनाव के लिये होने वाले मतदान में अधिक से अधिक मतदान हो, इसके लिये स्वयं भी मतदान करें और अधिक से अधिक

लोगों को मतदान के लिये प्रेरित करें।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्वालियर जिले में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हम सभी को साझा प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सभी सदस्यगण सोशल मीडिया के माध्यम से भी अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिये प्रेरित करें। शांति समिति के सदस्यों ने बैठक में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। बैठक में शहरकाजी, संत कृपाल सिंह, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, एडीएम श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एडीएम टीएन सिंह, एडिशनल एसपी सियाज सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

परशुराम गाथा के 41 रंगकर्मी होंगे सम्मानित

14 जुलाई को ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर की कोर कमेटी की बैठक शुक्रवार को भारद्वाज मेंशन में समिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज ने कहा कि अक्षय तृतीया 10 मई को भगवान श्री परशुराम पालकी समिति द्वारा निकाली जाने वाली पालकी शोभायात्रा का ऊंट पुल पाटनकर पर ग्यारह सौ एक इंच लम्बा फूलों के गलीचे पर सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसका दायित्व हेमंत एडिशन शर्मा को दिया गया है। हेमंत एडिशन शर्मा ने एक किविंटल फूलों को इंदौर से मंगाया है। भगवान परशुराम के जीवन पर आधारित परशुराम गाथा के मुख्य संयोजक डॉ ओएन कौल, डॉ हरिमोहन पुरोहित ने

12 मई को महानाट्य परशुराम गाथा के 41 रंगकर्मियों को प्रकाश नारायण शर्मा की अध्यक्षता में टाऊन हॉल महाराज बाड़े पर अतिथियों द्वारा सम्मानित करने का निर्णय लिया। 5 मई से निःशुल्क नाटक के पास वितरित किए जाएंगे।

14 जुलाई को निःशुल्क ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन चेम्बर आफ कामर्स में निःशुल्क रजिस्ट्रेशन होंगे। संभागीय मुख्य संयोजक पुरूषोत्तम कांत शर्मा, संयोजक गुना से राधेश्याम शर्मा, शिवपुरी से महावीर मुदगल, पोहरी से संयोजक पवन अवस्थी, ग्वालियर ग्रामीण से परमानंद शर्मा मोहना, ग्वालियर शहर में श्याम बाबू शर्मा, गिरिराज गुरु को दायित्व सौंपा गया है। संचालन कोषाध्यक्ष डॉ मुन्ना लाल शर्मा एवं आभार प्रदर्शन मनोज त्रिपाठी ने किया।

दो नये पाठ्यक्रम शुरू किये, शार्ट टर्म कोर्स भी बने चहेते

ग्वालियर। लगभग 15 वर्षों से लंबित संभागीय बैठक ग्वालियर में आयोजित की गई। जिसमें ग्वालियर

चंबल संभाग से विभिन्न अध्ययप केन्द्रों के पदाधिकारी शामिल हुये। वहीं संबोधन करने के लिये भोपाल माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक सहित प्रशासकीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमे 100 से अधिक केन्द्र निदेशक शामिल हुये। पत्रकारों से चर्चा में कुलपति केजी सुरेश व कुलसचिव अविनाश वाजपेयी ने संयुक्त रूप से बताया कि ग्वालियर चंबल संभाग की 15 वर्षों से लंबित बैठक थी। जिसमे आने वाले समय में नये पाठ्यक्रम को लेकर चर्चा की। वहीं कुछ समस्याओं का समाधान किया गया। दो नये पाठ्यक्रम में सिनेमा अध्ययन और भारतीय भाषा अध्ययन शुरू किये जा रहे हैं।

साथ ही शार्ट टर्म कोर्स में एक्टिंग, मोबाइल पत्रकारिता कोर्स भी शुरू किये हैं, जो अब सभी के चहेते बन गये हैं। पत्रकारवार्ता में निदेशक डा. बबीता अग्रवाल, पीआरओ अरूण कुमार खोबरे भी उपस्थित थे।

रोगियों को संक्रमण पर होगी रोकथाम : डॉ. गुंजन

– संक्रमण राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

ग्वालियर। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान शीतला सहाय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज पीजी कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से तीन दिवसीय राष्ट्रीय हॉस्पिटल इनफेक्शन कंट्रोल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 500 डेलीगेट्स की उपस्थिति में शीतला सहाय सभागार में हुआ। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट डॉ .सुदाम खड़े आयुक्त ग्वालियर संभाग, वाइस चांसलर जीवाजी यूनिवर्सिटी प्रोफेसर अविनाश तिवारी, डॉ प्रशांत लहरिया अध्यक्ष आईएमए, डॉ.अचला सहाय शर्मा स्त्री रोग विशेषज्ञ जीआरएमसी उपस्थित थे।

डॉ. बी आर श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अविनाश तिवारी ने कहा कि लगतार सीखना बहुत जरूरी है ।उन्होंने कहा कि जागरूक एवं अनुभवी डॉक्टर और नर्स अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के साथ स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण करने में सक्षम हैं। डॉ सुदाम खड़े ने कहा कि ऐसे लर्निंग कॉन्फ्रेंस से कमियां और गलतियां होने के संभावना कम हो जाती है रोगी एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम सर्वोपरि है। डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव (निदेशक) ने कहा कि वे कैंसर हॉस्पिटल एवं शोध संस्थान ग्वालियर को मिले सम्मान और विशेषाधिकार से खुश हैं और इसके लिए आभारी हैं। मैं देश भर से आए सभी डेलीगेट्स

और फैकल्टीज का स्वागत करता हूं। यह सम्मेलन प्रतिभागियों के लिए महान शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करेगा। डॉ गुंजन श्रीवास्तव सचिन एचआईसीओएन 24 और मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट) ने कहा कि इस सम्मेलन में 500 से अधिक पंजीकरण मिले हैं और यह सम्मेलन रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण के नियंत्रण और रोकथाम के लिए एक मानक स्थापित करेगा।इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. जया बिजॉय (अध्यक्ष द ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया एमपी स्टेट ब्रांच) ने कहा कि हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल कॉन्फ्रेंकंट्रोल का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। देश के विभिन्न जगह से आए हुए फैकल्टीज ने अपने लेक्चरर्स को प्रदान करने वाले फैकल्टीज् हैं। डॉ ओ.पी. सक्सेना, कन्सल्टेंट सीनियर जनरल सर्जन, जवाहरलाल नेहरू कैंसर हॉस्पिटल भोपाल, डॉ. नीलम सचदेवा, एच.ओ.डी. माइक्रोबायोलोजी एवं सी.एस.एस.डी. राजीव गांधी कैंसर इन्स्टीट्यूट, दिल्ली,डॉ. परमिंदर कौर गिल, कन्सल्टेंट लैब. मेडिसिन, इंडस हास्पीटल, चंडीगढ़,डॉ. विकास मिश्रा, प्रोफेसर, मायक्रो बायोलॉजी, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज, कानपुर, डॉ. असीम रंगनेकर, माइक्रोबायोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, भोपाल, डॉ. सोनल शर्मा, क्वालिटी एक्जीक्यूटिव अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली, डॉ. प्रो. वैभव मिश्रा, एच. ओ. डी. माइक्रोबायोलॉजी जीआरएमसी डॉ. सुनीता लारेंस, कन्सल्टेंट एक्स-ओफिसियो टी.एन.ए.आई. भोपाल,डॉ. माया पाटलिया, डीन, नर्सिंग रिसर्च डिपार्टमेंट मालवा अंचल, इंदौर ने अपने विचार रखें।

घर से छात्रा गायब, अपहरण का मामला दर्ज

ग्वालियर। घर से सोलह वर्षीय छात्रा लापता हो गई। घटना माधौगंज थाना क्षेत्र के बौद्ध नगर गुढ़ा-गुढ़ी का नाका की है। छात्रा को गायब देखकर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चलने पर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। माधौगंज थाना क्षेत्र के बौद्ध नगर निवासी सोलह वर्षीय बीते रोज घर से उस समय लापता हो गई, जब उसकी मां बड़ी बेटी को अस्पताल दिखाने गई थी और लौट कर आई तो छात्रा गायब थी। पुलिस ने मां की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

मतदान दलों का तृतीय रेण्डमाइजेशन आज

ग्वालियर। जिले में लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम के तहत मतदान कराने के लिये गठित किए गए मतदान दलों का तृतीय रेण्डमाइजेशन आज 5 मई को किया जायेगा। इस दिन सायंकाल 5 बजे प्रेक्षककृष्णा आदित्य की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के सभागार में यह रेण्डमाइजेशन होगा। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान एवं जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के एआरओ भी मौजूद रहेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के जरिए रेण्डमाइजेशन किया जायेगा।

अपील

ग्वालियर। सम्पूर्ण भारत वासियों एवं भारत के शेष सभी राज्यों में

जहाँ अभी तीसरे व चौथे व अन्य शेष चरणों में सामान्य लोकसभा निर्वाचन होना शेष है। वहाँ सभी राज्यों के समस्त आम नागरिकों, माता बहिनों, समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं समस्त व्यवसायी/व्यापारियों और मजदूर/किसान भाईयों एव सभी उद्यियमी व ऐसे सभी विद्यार्थियों जो 18 वर्ष की अपनी आयू पूर्ण कर चुके है और हमारे सभी युवा वर्ग जो पहली बार मतदान करेगें सभी बुजुर्ग माताओं बहिनों से हमारा हाथ जोड़कर विशेष आग्रह के साथ विनम्र अनुरोध करते हुये यह अपील है कि सभी लोग अपने अपने मतदान केंद्रों पर आवश्यक रूप से पहुंच कर अपनी नियत तिथि व नियत दिनांक को अपने मतदान के अधिकार का उपयोग करते हुये मतदान अवश्य ही करें । जिससे हमारे राष्ट्र व हमारे देश का लोकतंत्र मजबूत हो सकें।

सारे काम छोड दो, सबसे पहले जाकर अपना वोट दो।

आपका जनसेवक.....

श्याम बाबू गुप्ता

राष्ट्रीय अध्यक्ष- जन सेवा एवं जन अधिकार संगठन नई दिल्ली(भारत)

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पुराना हाईकोर्ट लाईन स्थित केंद्र पर सुबह और शाम दो अलग-अलग राजयोग ध्यान साधना की क्लास के पश्चात मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत सभी से वोट डालने की अपील की गई। कार्यक्रम में बीके प्रहलाद भाई ने वोट का महत्व बताते हुए कहा कि हमारा भारत देश लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, हमारा वोट इसलिए सभी को इस नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अपने सम्बन्धियों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करने की बात कही। पिछले एक माह से लगातार संस्थान के

द्वारा यह मुहिम चलाई जा रही है। जिसमें कुछ स्थानों पर सभी को संकल्प दिलाया गया है और रहे हुए स्थानों पर भी लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर रेलवे से सेवानिवृत्त राजेन्द्र सिंह, रीटा. प्रो. आर.एस. वर्मा, वी.एम. सोनी, नारायण चौरसिया, जगदीश मकरानी, संतोष गुप्ता, दीपा अगीचा, जया लोकवानी, ममता माहौर, गीता, शान्या खत्री, संजय खत्री, ऋचा बसंल, रेखा गुप्ता, शोभा अग्रवाल सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारतीय योग संस्थान का 83वां योग साधना केंद्र पीएम आवास पहाड़ी पर शुरू

ग्वालियर। भारतीय योग संस्थान के ग्वालियर जिला दक्षिण मध्यप्रदेश प्रान्त द्वारा प्रधानमंत्री आवास पहाड़ी पर एक नए योग केंद्र की स्थापना एवं पांच दिवसीय मधुमेह रोग निवारण शिविर का शुभारंभ प्रान्तीय प्रधान लक्ष्मण सिंह परिहार, प्रान्तीय सलाहकार एसके गुप्ता व जिला प्रधान पवन गुप्ता द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया। ग्वालियर के 83वें निःशुल्क योग साधना केंद्र की स्थापना की गई। पीएम आवास केंद्र का प्रमुख रवि सोनी को बनाया गया। शिविर में सम्मिलित 50 साधकों को मधुमेह निवारण हेतु ताड़ासन, अर्ध चक्रासन, वक्रासन, कोणासन, तिर्यक भुजंगासन, अनुलोम विलोम, प्लावनी प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास कराया गया। जिला प्रधान पवन गुप्ता ने कहा कि मधुमेह रोग अपने देश में बहुत तेजी से बढ़ रहा है इसीलिए भारतीय योग संस्थान द्वारा इस वर्ष पूरे देश में मधुमेह रोग निवारण शिविर लगाए जा रहे हैं। शहर में 24 शिविर अलग अलग क्षेत्रों में लगाये जायेंगे। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल, जिला मंत्री राजेश वर्मा, जिला संगठन मंत्री रेखा गुप्ता, कोषाध्यक्ष वार्ष्णेय, क्षेत्रीय प्रधान रमा सक्सेना, क्षेत्रीय मंत्री लता गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अशोक कपूर, लोकेन्द्र श्रीवास्तव, योगेन्द्र श्रीवास्तव, प्रमोद गुप्ता, बृजेश भदौरिया, मुकेश गोयल, अलका गोयल, सुनील कनकने, रश्मि सोनी, पूनम परिहार, वैष्णवी गुप्ता, नवनीत भार्गव विशेष रूप से उपस्थित थे।

संपादकीय

बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा को लेकर नीतिगत पहल करने की जरूरत

बढ़ती उम्र के साथ बुजुर्गों को अपनी सेहत के लिहाज से ज्यादा संसाधनों की जरूरत पड़ती है, ऐसी स्थिति में उन्हें स्वास्थ्य बीमा की सबसे ज्यादा जरूरत है। हमारे देश में सामान्य तौर पर बुजुर्गों की अहमियत है। सभी अपने घर के बड़े-बूढ़ों का खयाल रखने की कोशिश करते हैं। मगर उनकी सामाजिक सुरक्षा को लेकर अपेक्षित नीतिगत व्यवस्था की कमी रही है। खासकर ढलती उम्र में उनके स्वास्थ्य का खयाल रखने के लिए बीमा जैसी व्यवस्था में भी अभी तक उनके लिए पर्याप्त जगह नहीं रही है। यह बेवजह नहीं है कि बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा के मामले में भारत एशिया-प्रशांत देशों में सबसे निचले पायदान पर है। 'एजिंग वेल इन एशिया' शीर्षक से गुरुवार को जारी एशियाई विकास बैंक की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत को तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने और वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने के लिए सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाना वक्त का तकाजा है। हालांकि गरीब लोगों को नकदी रहित स्वास्थ्य बीमा देने वाली आयुष्मान भारत जैसी योजना आने के बाद से बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन इस ओर विशेष ध्यान देना समाज और देश के हित में है, क्योंकि अधिक उम्र वाले लोगों की मौजूदगी से मिलने वाला 'लाभांश' ज्यादा हो सकता है।

दरअसल, बदलती स्थितियों में बुजुर्गों को अपनी सेहत के लिहाज से ज्यादा संसाधनों की जरूरत पड़ती है। परिवार और समाज के अतिरिक्त व्यवस्थागत ढांचे में कुछ ऐसे नियम-कायदे हैं, जिनमें कई बार बुजुर्गों को या तो उपेक्षा झेलनी पड़ती या फिर उन्हें कमतर सुविधाएं मिलती हैं। मसलन, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमा के मामले में देखें तो ज्यादा उम्र के लोगों के लिए जैसी शर्तें रखी गई हैं, उसमें उनका कोई विशेष लाभ नहीं मिल पाता। जबकि बढ़ती उम्र के साथ सेहत के लिहाज से कई ऐसी स्थितियां पैदा होती हैं, जिनमें उन्हें स्वास्थ्य बीमा की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। हालांकि अब बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने बुजुर्गों को भी बीमा खरीदने की सुविधा प्रदान कर दी है। पर स्वास्थ्य बीमा का खर्च कम और उनकी पहुंच में होना चाहिए। इस संदर्भ में देखें तो एशियाई बैंक विकास की ताजा रिपोर्ट नीतिगत स्तर पर ठोस पहल की जरूरत को रेखांकित करती है।

पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग की पहली महिला प्रभारी गीतिका श्रीवास्तव समेत इस्लामाबाद में एक दर्जन से ज्यादा महिला राजदूत हैं। इन राजनयिकों की मौजूदगी से यह संदेश जाता है कि पाकिस्तान किस तरह से महिला राजनयिकों की सुरक्षा करता है। राजदूतों के अलावा हरेक दूतावास में कई विदेशी एवं स्थानीय महिलाएं कार्यरत हैं। आम तौर पर ये राजनयिक तब भी सुरक्षित महसूस करती हैं, जब वे बैठकों या कार्यक्रमों में पाकिस्तानियों से मिलती हैं। आम पाकिस्तानी स्वभाव से विनम्र होते हैं और यहां आने वाले विदेशी या भारतीय पर्यटक इस बात को समझते हैं और इसकी पुष्टि भी करते हैं। लेकिन इस हफ्ते लाहौर में यह सब कुछ बदल गया, जहां दुनिया की प्रसिद्ध वकील और शांति कार्यकर्ता अस्मा जहांगीर की स्मृति में होने वाले शांतिपूर्ण वार्षिक सम्मेलन में भी इस्राइल समर्थक जर्मनी के राजदूत को कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल जर्मन राजदूत की उग्र प्रतिक्रिया के भी कई अर्थ निकाले जा रहे हैं। पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग की पहली महिला प्रभारी गीतिका श्रीवास्तव समेत इस्लामाबाद में एक दर्जन से ज्यादा महिला राजदूत हैं। इन राजनयिकों की मौजूदगी से यह संदेश जाता है कि पाकिस्तान किस तरह से महिला राजनयिकों की सुरक्षा करता है। राजदूतों के अलावा हरेक दूतावास में कई विदेशी एवं स्थानीय महिलाएं कार्यरत हैं। आम तौर पर ये राजनयिक तब भी सुरक्षित महसूस करती हैं, जब वे बैठकों या कार्यक्रमों में पाकिस्तानियों से मिलती हैं। आम पाकिस्तानी स्वभाव से विनम्र होते हैं और यहां आने वाले विदेशी या भारतीय पर्यटक इस बात को समझते हैं और इसकी पुष्टि भी करते हैं। लेकिन इस हफ्ते लाहौर में यह सब कुछ बदल गया, जहां दुनिया की प्रसिद्ध वकील और शांति कार्यकर्ता अस्मा जहांगीर की याद में उनकी लॉ कंपनी और उनकी बेटियों ने एक बेहद लोकप्रिय सालाना कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। लेकिन इस हफ्ते लाहौर में यह सब कुछ बदल गया, जहां दुनिया की प्रसिद्ध वकील और शांति कार्यकर्ता अस्मा जहांगीर की याद में उनकी लॉ कंपनी और उनकी बेटियों ने एक बेहद लोकप्रिय सालाना कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

विश्लेषण : पाकिस्तान में फलस्तीन, जर्मनी के राजदूत को इसलिए करना पड़ा कड़े विरोध का सामना

पाकिस्तान में इस्राइल के विरोध का आलम यह है कि शांति कार्यकर्ता अस्मा जहांगीर की स्मृति में होने वाले शांतिपूर्ण वार्षिक सम्मेलन में भी इस्राइल समर्थक जर्मनी के राजदूत को कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल जर्मन राजदूत की उग्र प्रतिक्रिया के भी कई अर्थ निकाले जा रहे हैं। पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग की पहली महिला प्रभारी गीतिका श्रीवास्तव समेत इस्लामाबाद में एक दर्जन से ज्यादा महिला राजदूत हैं। इन राजनयिकों की मौजूदगी से यह संदेश जाता है कि पाकिस्तान किस तरह से महिला राजनयिकों की सुरक्षा करता है। राजदूतों के अलावा हरेक दूतावास में कई विदेशी एवं स्थानीय महिलाएं कार्यरत हैं। आम तौर पर ये राजनयिक तब भी सुरक्षित महसूस करती हैं, जब वे बैठकों या कार्यक्रमों में पाकिस्तानियों से मिलती हैं। आम पाकिस्तानी स्वभाव से विनम्र होते हैं और यहां आने वाले विदेशी या भारतीय पर्यटक इस बात को समझते हैं और इसकी पुष्टि भी करते हैं। लेकिन इस हफ्ते लाहौर में यह सब कुछ बदल गया, जहां दुनिया की प्रसिद्ध वकील और शांति कार्यकर्ता अस्मा जहांगीर की याद में उनकी लॉ कंपनी और उनकी बेटियों ने एक बेहद लोकप्रिय सालाना कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। पिछले पांच वर्षों से अस्मा जहांगीर की स्मृति में होने वाला यह आयोजन दुनिया भर में प्रसिद्ध हो गया है, जिसमें पाकिस्तानी प्रतिभागी, विदेशी राजदूत और विदेशी प्रतिनिधि भी भाग लेते हैं। इस वर्ष भारतीय मीडिया का एक प्रतिभागी भी शामिल था। यह सम्मेलन इसलिए भी प्रसिद्ध हुआ, क्योंकि यह ऐसी दुर्लभ जगह है, जहां असंतुष्ट और वैसे लोग भी, जिन्हें बोलने का अवसर या स्थान नहीं मिलता, स्वतंत्र रूप से खुलकर अपनी बात रख सकते हैं, जिन्हें दुनिया सुनती है। अतीत में कई बार सरकारी अधिकारियों, राजनेताओं एवं यहां तक कि न्यायाधीशों के भाषण के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा बाधा डाली गई है। यही इस सम्मेलन की खूबसूरती है, जहां हर कोई बोलने के लिए स्वतंत्र है। इस बार कार्यक्रम में %दक्षिण एशिया में नागरिक अधिकारों की सुरक्षा% विषय पर एक सत्र था और प्रतिभागियों में जर्मन राजदूत अल्फ्रेड ग्रेनास भी थे, जो इस्लामाबाद में सबसे वरिष्ठ राजनयिक हैं। इन दिनों जर्मनी गाजा युद्ध में इस्राइल के समर्थन के लिए चर्चा में है। पाकिस्तान और अन्य मुल्कों में भी जर्मनी के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं और उस पर इस्राइल का समर्थन करके फलस्तीनियों के नरसंहार में सहयोग करने का आरोप लगाया जा रहा है। हर जगह, विशेष रूप से अमेरिका में छात्र सरकारी नीतियों का विरोध कर रहे हैं, विशेषकर उन नीतियों का, जो इस्राइल का समर्थन कर रही हैं। इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं थी कि सम्मेलन में युवा छात्र प्रदर्शनकारियों ने जर्मन राजदूत के भाषण में बाधा डाली।

एक युवा प्रदर्शनकारी ने चिल्लाकर कहा, %माफ कीजिएगा राजदूत महोदय, मैं आपके इस दुस्साहस से हैरान हूं कि आप यहां नागरिक अधिकार की बात करने आए हैं, जबकि आपका मुल्क फलस्तीनियों के अधिकारों के लिए बोलने वालों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार कर रहा है।% उसकी इस बात का कई लोगों ने समर्थन किया। यूरोपीय देशों के कई राजदूतों ने भी उसी मंच से भाषण दिया, लेकिन उनके भाषणों में कोई बाधा नहीं डाली गई। उनमें कई महिला राजदूत भी थीं। कई लोगों ने अपनी सीट से खड़े होकर कहा, %नदी से समुद्र तक% फलस्तीन को स्वतंत्र करो। असल में %नदी से समुद्र तक% एक राजनीतिक वाक्यांश है, जो जॉर्डन नदी और भूमध्यसागर के बीच के क्षेत्र को बताता है, जिसे फलस्तीन माना जाता है। लेकिन जर्मन राजदूत की प्रतिक्रिया सबसे हैरान करने वाली थी, जैसे यह उनके लिए अविश्वसनीय था कि कोई उनके भाषण में रुकावट डालेगा और गाजा युद्ध में जर्मनी की भूमिका के खिलाफ प्रदर्शन करेगा। कोई सोच सकता था कि जर्मन राजदूत रुककर थोड़ा मुस्कराएंगे और फिर प्रदर्शनकारी से विनम्रता से बैठने के लिए कहेंगे और सवाल-जवाब के सत्र में सवालों का स्वागत करेंगे। वह भी यह जानते थे कि ऐसे व्यवधान को हमेशा आयोजक या तो शांत करा देते हैं या प्रदर्शनकारी को हॉल छोड़कर चले जाने के लिए मना लेते हैं। लेकिन ऐसा करने के बजाय जर्मन राजदूत बेहद नाराज हो गए और अपनी बांहें फड़काते हुए प्रदर्शनकारी की तरफ इशारा करते हुए गुस्से में बोले, %यदि तुम चिल्लाना चाहते हो, तो बाहर चले जाओ, वहां तुम चिल्ला सकते हो, लेकिन चिल्लाना विमर्श नहीं है। यदि तुम विमर्श करना चाहते हो, तो यहां आओ। हम चर्चा करेंगे, लेकिन चिल्लाओ मत। चिल्लाना कोई अच्छी बात नहीं है, तुम्हें शर्म आनी चाहिए। मंच पर बैठे हुए कुछ राजदूतों और अन्य लोगों ने जर्मन राजदूत से शांत होने और अपना भाषण आगे बढ़ाने के लिए कहा, लेकिन वह इतने ज्यादा गुस्सा थे कि सुन ही नहीं रहे थे। चूंकि इस सम्मेलन का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए पूरे पाकिस्तान ने उनका भयावह गुस्सा देखा और जर्मन राजदूत का व्यवहार देखकर लोग हैरान थे। तुरंत आयोजकों ने उस प्रदर्शनकारी को धक्के देकर बाहर निकाल दिया। अचानक जर्मन राजदूत की उग्र प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और पाकिस्तानियों ने पूछा कि क्या यह जर्मनी है, जो किसी को बाहर जाने के लिए कहता है। एक्स पर एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, %जर्मन कूटनीति के लिए यह अच्छी बात नहीं है। पश्चिमी देशों में इस तरह के व्यवधान अपवाद नहीं, बल्कि आदर्श बन जाएंगे।% सभी टीवी चैनलों एवं अगले दिन अखबारों ने भी इस घटना को प्रमुखता से जगह दी।

युवा पाकिस्तानी इतिहासकार और कार्यकर्ता अम्मार अली जान भी जर्मन राजदूत के व्यवहार से बहुत नाराज थे-'जर्मन राजदूत पाकिस्तानियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर व्याख्यान देते हैं, जबकि जर्मनी सरकार गाजा पर किसी भी चर्चा को प्रतिबंधित करती है।' कराची में भी ब्रिटिश उच्चायुक्त के आवास पर भी एक अन्य घटना घटी। पाकिस्तानी शास्त्रीय नृत्यांगना एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता सीमा केरमानी ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए आवाज उठाई, तो उन्हें कार्यक्रम छोड़ने के लिए कहा गया और बाहर निकाल दिया गया। जो मुल्क गाजा युद्ध में इस्राइल का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें लगातार ऐसे विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ेगा और दुनिया भर में उनके राजदूतों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ेगा। वरिष्ठ राजनयिक होने के बावजूद जर्मन राजदूत ने जैसी प्रतिक्रिया दी, वह कूटनीति की विफलता है।

दुनिया मेरे आगे : दिखावे के जाल में फंसकर ऐश्वर्य का प्रदर्शन करता समाज

दिखावे के चक्कर में लोग दूसरों के जैसा बनने की कोशिश करने लगते हैं। अपनी मौलिकता और बुनियाद भूल जाना भी उन्हें परेशान नहीं करता। जबकि जितनी कोशिश हम दूसरों के जैसा बनने की करते हैं, उतनी कोशिश अगर खुद को संवारने में करें तो ज्यादा अच्छा हो। जेब खाली है, लेकिन समाज के लोग, रिश्ते-नातेदार क्या सोचेंगे, इसकी चिंता कुछ लोगों को सताए जा रही है। ऐसे लोग सोच नहीं पा रहे हैं कि उनके यहां जो काम है, वह सामान्य तरीके से करें या समाज में लोगों की परवाह करते हुए दिखावा करते हुए करें। दिखावे के चक्कर में रुपया ज्यादा खर्च होगा और जो काम है, वह बहुत कम खर्च में हो जा सकता है। मगर क्या करें कि आज की तारीख में लोगों के लिए दिखावा ज्यादा जरूरी हो गया है। सामान्य तरीके से कोई काम कराने के बजाय जिसे देखो वही दिखावा करने में लगा हुआ है। दिखावे के इस शौक की सीमा आखिर कहां है? पड़ोस के घर में जब से एक सामाजिक काम होना तय हुआ था, तब से उस घर के लोगों से काम के कदम-कदम पूछे जा रहे थे। यह भी पूछा जा रहा था कि वह काम साधारण तरीके से किया जाएगा या शानो-शौकत के साथ। उस घर के व्यक्ति ने बताया कि काम साधारण तरीके से किया जाए, तो उसके बाद लोगों के हाव-भाव बदल गए और उनकी टीका-टिप्पणियों में अंतर आ गया। लोग बताने लगे कि आजकल तो साधारण से साधारण लोग भी 'अच्छे से' काम करते हैं, और आप तो समाज के गणमान्य व्यक्ति हैं। अगर आप ही ऐसे साधारण तरीके से करेंगे तो फिर दूसरे लोग क्या करेंगे! लोगों का विचार सुनने के बाद उस घर के लोगों के दिमाग में अपने खानदान और पूर्वजों की शान की याद उमड़ने-घुमड़ने लगी। उनके नाम के 'कीर्तिमान' याद आने लगे। उसके बाद आपस में यह बात हुई कि अगर हम कुछ नहीं करेंगे तो हमारी मान-मर्यादा क्या रह जाएगी। पहले की शानो-शौकत के बरक्स आज नौबत कर्ज लेने की थी, मगर घर के लोग इसके लिए तैयार हो गए। उन्हें समाज में रहने के लिए दिखावे का रास्ता अपनाना जरूरी लगा। यह मामला एक उदाहरण भर है। आज की तारीख में हमारे इर्द-गिर्द इस तरह के हजारों लोग हैं, जो स्वेच्छा से या मजबूरी में दिखावा करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो उन्हें लंबे समय तक आसपास के लोगों की आलोचनाएं सुननी पड़ेंगी। ऐसे में वे कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते हैं। जबकि यह समझने की बात है कि दिखावा और उद्देश्य की पूर्ति, दो अलग-अलग चीज है। हर किसी के घर में समय-समय पर कोई न कोई काम होता रहता है। लोगों की माली हालात जैसी भी हो, लेकिन ज्यादातर कामों पर दिखावा हावी होता है। हालांकि अगर हम अपनी जरूरत को समझें और सिर्फ काम पूरा करने उद्देश्य की पूर्ति पर जोर दें तो बहुत कुछ बदल सकता है। इसके लिए सोच में बदलाव की जरूरत है। जब हम किसी के यहां जाते हैं तो उसके बारे में अगले कुछ समय तक हमारे मनो-मस्तिष्क में बातें चलती रहती हैं। अगर हम उनका जीवन वैभव या विलासितापूर्ण देखते हैं तो हम भी उन्हीं की तरह जीना चाहते हैं। मन ही मन हम तुलना करने लगते हैं। हमें लगता है कि हम भी उनके जैसा बनें। उनके घर में कोई सामान देखा तो अपने घर में भी वैसा ही चाहते हैं। यह सामाजिक हैसियत का विषय हो जाता है। इस चक्कर में कई लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है और परिवार में खटपट भी होती है। लोग दूसरे को बताते हैं कि हमारे पास वह सामान है और मैंने वह वहां से लिया है। उसकी यह खासियत हैज कीमत इतनी है। हो सकता है कि जिस व्यक्ति के पास वह सामान है, उसे उसकी जरूरत होगी। जिसके पास वह नहीं है, उसे उसकी जरूरत नहीं होगी। सिर्फ किसी के घर में कोई सामान देख कर बिना जरूरत के हम वही चीज अपने लिए अलग से लेते हैं तो यह दिखावा ही है। अगर व्यक्ति अपनी हैसियत और जरूरत के हिसाब से कदम उठाए तो वह कई परेशानियों से बच सकता है। हमारे आसपास अक्सर ऐसे लोग मिलते हैं जो बताते रहते हैं कि हमने वह सामान इतने में खरीदा है और वह उतने में। यह बताने की कोई जरूरत हो या नहीं, फिर भी वे लोगों को बताते हैं। लोग भी ऐसे लोगों की बातों को काफी ध्यान से सुनते हैं और उनकी तारीफ करते हैं। बताने वाले को शायद लगता है कि हमें अपना ऐश्वर्य का प्रदर्शन करना चाहिए और सुनने-देखने वाले को लगता है कि हमें उनका दिखावा देखना चाहिए।

इसके बाद लोग सोचने लगते हैं कि अगर मेरे पास वह सामान नहीं होगा या हम उनके जैसा कपड़े नहीं पहेंगे तो शायद हमारी सामाजिक स्थिति कमतर हो जाएगी। हालांकि यह समझने की जरूरत है कि कपड़े या कोई चीज होने या नहीं होने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। अगर फर्क पड़ता है तो समाज को चाहिए कि वह इस फर्क को समाप्त करे। कई बार तो लगता है कि यह दिखावा एक रोग है, जिसे हर हालात में बदलना चाहिए।

इस दिखावे के चक्कर में लोग दूसरों के जैसा बनने की कोशिश करने लगते हैं। अपनी मौलिकता और बुनियाद भूल जाना भी उन्हें परेशान नहीं करता। जबकि जितनी कोशिश हम दूसरों के जैसा बनने की करते हैं, उतनी कोशिश अगर खुद को संवारने में करें तो ज्यादा अच्छा हो। आखिर हम अपने हिसाब से जीवन जीना क्यों नहीं पसंद करते हैं? हम दूसरों के हिसाब से जीवन क्यों जीने लगते हैं? क्या हमारे जीवन जीने का तौर-तरीका कोई बाहरी व्यक्ति तय करेगा? यह हमें तय करना चाहिए। यह निर्धारित करने का अधिकार हमारा होना चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे तो हमें अंदर से खुशी मिलेगी जो बाहरी और कृत्रिम खुशी से कई हजार गुणा अच्छी होगी।

राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करने की जरूरत

वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी। इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी।

बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। अब यह उजागर है कि प्रत्याशी के चुनाव में राजनीतिक दलों से साफ-सुथरी छवि का ध्यान रखने की चाहे जितनी अपेक्षा और मांग की जाए, पर उनका मकसद एक ही होता है। वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी। इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ ने भी बृजभूषण शरण सिंह पर अंगुली उठाई थी, जिसके चलते उन्हें कुश्ती महासंघ के चुनाव से अलग रहना पड़ा। मगर उन्होंने कुश्ती महासंघ पर अपना दबदबा कायम रखने की नीयत से अपने एक करीबी को अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया और उसे ही विजय भी मिली। उस पर भी अंगुलियां उठनी शुरू हुईं, तो खेल मंत्रालय को आखिरकार बृजभूषण शरण सिंह के करीबी को अध्यक्ष पद से हटाना पड़ा। यह समझना मुश्किल है कि भाजपा के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने बृजभूषण शरण सिंह से अपना पल्ला छुड़ाना उचित नहीं समझा। उनकी जगह उनके बेटे को टिकट दे दिया। इससे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो जाएंगे। इसके पीछे एक वजह तो यह बताई जाती है कि उत्तर प्रदेश में राजपूत समाज लगातार भाजपा पर आरोप लगा रहा था कि वह राजपूत समाज के प्रत्याशियों का टिकट काट रही है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि बृजभूषण का टिकट कटने से उनके बगावत करने और उस सीट से भाजपा के हारने की आशंका हो सकती थी। मगर इस तरह समझौता करके भाजपा अगर अपनी एक सीट बचा भी ले, तो इससे उसके सिद्धांतों पर सवाल तो उठेंगे ही। लंबे समय से मांग की जा रही है कि राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों का चयन करते हुए उनकी छवि का ध्यान रखें। निर्वाचन आयोग ने भी कहा था कि राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करें। अगर वे किसी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देती हैं, तो उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना होगा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्या उसकी जगह कोई और प्रत्याशी नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देकर बेशक भाजपा इस जवाबदेही से बच गई है, पर यह तो जाहिर है कि वह चुनाव उनका बेटा नहीं, एक तरह से वे खुद लड़ेंगे। बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। यह भी छिपी बात नहीं है कि उनके खिलाफ आंदोलन पर उतरी महिला खिलाड़ियों को किस तरह दमन के जरिए आंदोलन से हटाया गया। इन सबको लेकर लगातार सरकार के रवैये पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जगह उनके बेटे को टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से एक नए विवाद को गले लगा लिया है। इसे लेकर विपक्षी दलों और महिला खिलाड़ियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

ओडिशा की पुरी सीट से लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संदेश

अब बड़े राजनीतिक दल बहुत मजबूरी में ही अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट देते हैं। पिछले एक दशक में कार्यरत और रिटायर्ड नौकरशाहों का बड़े पैमाने पर राजनीति में प्रवेश हो रहा है।ञ वे किसी भी राजनीतिक दल में प्रवेश पाते ही टिकट पा लेते हैं, और जीवन भर किए गए भ्रष्टाचार से एकत्र कमाई का इस्तेमाल करके चुनाव जीत भी जाते हैं। ज्यादातर पार्टियां एक आदमी या परिवार के नाम पर चल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ मोदी के नाम पर चलने वाली पार्टी बनती जा रही है। कांग्रेस के सोनिया-राहुल हैं, सपा के अखिलेश यादव हैं, बसपा की मायावती हैं, आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल हैं।

ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दी है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है, जबकि भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के उम्मीदवार पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, इसलिए वह उनका मुकाबला नहीं कर सकती। सुचारिता मोहंती का यह संदेश कांग्रेस के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है कि चुनाव प्रणाली पर धनाढ्य लोगों का कब्जा हो गया है और लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। सुचारिता ने भारतीय लोकतंत्र की सच्चाई को नंगा करके रख दिया है कि राजनीति अब सेवा नहीं, अमीरों का व्यवसाय बन चुकी है। चुनावों में धन का बढ़ता प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न कर रहा है। अब बड़े राजनीतिक दल बहुत मजबूरी में ही अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट देते हैं। पिछले एक दशक में कार्यरत और रिटायर्ड नौकरशाहों का बड़े पैमाने पर राजनीति में प्रवेश हो रहा है।ञ वे किसी भी राजनीतिक दल में प्रवेश पाते ही टिकट पा लेते हैं, और जीवन भर किए गए भ्रष्टाचार से एकत्र कमाई का इस्तेमाल करके चुनाव जीत भी जाते हैं। ज्यादातर पार्टियां एक आदमी या परिवार के नाम पर चल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ मोदी के नाम पर चलने वाली पार्टी बनती जा रही है। कांग्रेस के सोनिया-राहुल हैं, सपा के अखिलेश यादव हैं, बसपा की मायावती हैं, आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल हैं, जदयू के नीतीश कुमार हैं, राकांपा के शरद पवार हैं, राजद के लालू हैं, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे हैं, डीएमके के स्टालिन हैं आदि आदि7 इन पार्टियों के भीतर कोई लोकतंत्र नहीं है। ये सारी पार्टियां प्रोपराइटरशिप फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चल रही हैं। लाखों-करोड़ों लेकर टिकट बेचती हैं और दावा करती हैं कि पार्टी में इंटरनल डेमोक्रेसी है। क्या कारण है कि राजनीतिक दल अपने समर्पित कार्यकर्ता का टिकट काट कर या हक मार कर भ्रष्ट नौकरशाह को टिकट थमा देते हैं। सच यह है कि अपने काले धन के बूते भ्रष्ट लोग राजनीतिक दल को अपनी काली कमाई का एक हिस्सा देकर टिकट हासिल करते हैं, तो वे एक तरह से राजनीति में निवेश कर रहे होते हैं कि जीत कर अपने निवेश का कई गुना वसूल करेंगे। ऐसे नौकरशाहों को पहली बार लोकसभा में पहुंचते ही मंत्री बनते और फिर अगली बार टिकट कटते भी देखा जा रहा है। सुचारिता ने कांग्रेस पार्टी को अपना टिकट लौटाकर देश को बताया है कि राजनीति और चुनावों में काले धन के बढ़ते इस्तेमाल से देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में आम लोगों की भूमिका लगभग खत्म हो गई है। करीब दस साल पहले दक्षिण एशियाई देशों के एक सम्मेलन में इस विषय पर गहन चर्चा हुई थी। इस सम्मेलन में कहा गया था कि अगर चुनावों में धन बल का इस्तेमाल न रोका गया तो निष्पक्ष चुनाव करवाना मुश्किल हो जाएगा। एडीआर ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था कि चुनाव सुधारों के मद्देनजर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से किए जाने वाले खर्च में अपारदर्शिता का मुद्दा बहुत चिंतनीय विषय है।

लोकसभा या विधानसभा चुनावों में एक प्रत्याशी को कितना खर्च करना है, इसकी सीमा तो है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए एक उम्मीदवार अधिकतम 90 लाख और विधानसभा चुनाव के लिए अधिकतम 40 लाख खर्च कर सकता है, कुछ छोटे राज्यों के लिए यह सीमा 70 लाख और 28 लाख रूपए है। सच्चाई यह कि उमीदवार तो अपने काले धन से करोड़ों रूपए खर्च करते ही हैं, राजनीतिक दल भी अलग से करोड़ों रूपए खर्च कर देते हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले मार्च के शुरू में कांग्रेस पार्टी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि आयकर विभाग ने उसके खाते सील कर दिए हैं और उसके पास चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं बचा। सुचारिता मोहंती ने उसी की पुष्टि की है, जब उन्होंने टिकट लौटाते हुए अपनी चिट्ठी में लिखा कि जब उन्होंने उड़ीसा के चुनाव प्रभारी अजय कुमार से इलेक्शन फंडिंग के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उन्हें खुद ही पैसा जुटाना होगा। इससे यह भी जाहिर हुआ कि अगर मजबूरी में कोई राजनीतिक दल किसी कार्यकर्ता को टिकट दे भी देता है, तो उसके खुद के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह चुनाव लड़ सके। उसे अपने राजनीतिक दल पर निर्भर रहना पड़ता है, सुचारिता ने यही सोचा था कि जैसे हमेशा से कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार को चुनाव में खर्च करने के लिए सूटकेस भेजती है, वैसे उसे भी सूटकेस मिलेगा।

भारत के 7 बैडमिंटन खिलाड़ियों को ओलिंपिक टिकट, तीन सिंगल्स और दो डबल्स इवेंट में लेंगे भाग

नई दिल्ली। इस साल जुलाई में पेरिस में होने वाली ओलिंपिक गेम्स में बैडमिंटन में भारत के सात खिलाड़ी अपनी रैंकिंग के आधार पर 5 इवेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु, पूर्व वर्ल्ड नंबर वन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने सिंगल्स इवेंट के लिए अपनी जगह पक्की की है। वहीं मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी और विमेंस डबल्स में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइंग के लिए क्या नियम थे

ओलिंपिक में बैडमिंटन के टॉप 16 खिलाड़ी भाग लेते हैं। साथ ही एक देश से एक इवेंट में दो खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। जुलाई में होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 30 अप्रैल तक की रैंकिंग को निर्धारित किया गया था। इसके के आधार पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों की क्या रही रैंकिंग

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और ओलिंपिक की सिल्वर तथा ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पीवी सिंधू 30 अप्रैल को जारी रैंकिंग में 14वें स्थान पर थी। हालांकि चीन की चार खिलाड़ी उनसे ऊपर रैंकिंग में थी और ओलिंपिक में एक देश से 2 खिलाड़ी ही भाग ले सकती हैं, ऐसे में सिंधू की रैंकिंग 12 हो गई। जबकि पुरुष सिंगल्स में प्रणय 9 वें और और लक्ष्य 13वें स्थान पर रहे।

जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। वहीं विमेंस डबल्स की जारी रैंकिंग में तनीषा और अश्विनि पोनप्पा की रैंकिंग 21वीं थीं। पर चीन के 4, जापान के 5 और कोरिया की 3 जोड़ी होने टॉप -16 में शामिल रही। चूंकि एक देश एक इवेंट में दो टीम या खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। ऐसे में तनीषा और अश्विनि की जोड़ी 13 पर पहुंच गई।

वेस्टइंडीज की वर्ल्ड कप टीम में शमार जोसेफ शामिल, रोवमन पॉवेल कप्तान

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप की होस्ट टीमों ने आईसीसी टूर्नामेंट के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। वेस्टइंडीज ने तेज गेंदबाज शमार जोसेफ को शामिल किया, रोवमन पॉवेल टीम की कप्तानी करेंगे, वहीं शाई होप को भी स्क्वॉड में जगह दी गई। अमेरिका ने भी अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मोनांक पटेल को कप्तानी सौंपी गई, वहीं भारत से अमेरिका जा बसे उन्मुक्त चंद को जगह नहीं मिली। हालांकि सभी टीमें 25 मई तक अपने स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं। वर्ल्ड कप 2 जून से शुरू हो कर 29 जून तक चलेगा।

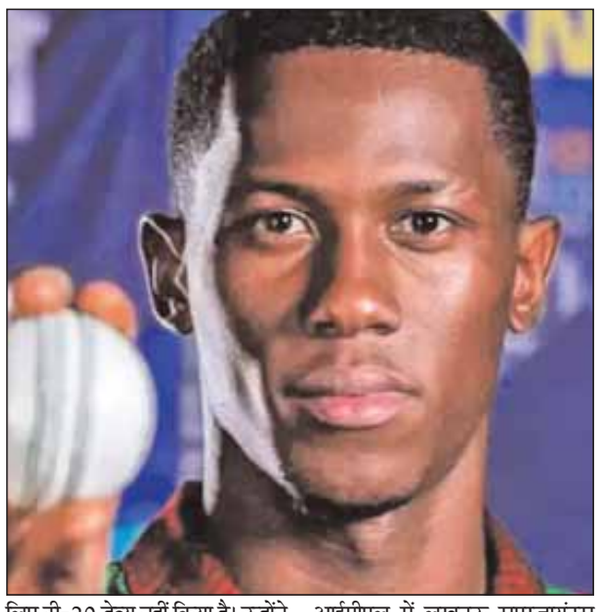

ग्रुप सी में है वेस्टइंडीज

वर्ल्ड कप की होस्ट टीम वेस्टइंडीज ग्रुप सी में है, उनके ग्रुप में अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी और युगांडा शामिल हैं। टीम 2 जून को गुयाना में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

जोसेफ ने जनवरी में किया था टेस्ट डेब्यू

शमार जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए टी-20 डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने इसी साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, यहां उन्होंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए डेब्यू किया।

अगर उन्हें वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिला तो वह सीधे आईसीसी टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज से अपना टी-20 डेब्यू करेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए वेस्टइंडीज टीम

रोवमन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

अमेरिका में कोरी एंडरसन को जगह

वेस्टइंडीज के साथ को-होस्ट अमेरिका ने भी टीम अनाउंस की। न्यूजीलैंड के लिए 2015 का वनडे वर्ल्ड कप खेलने वाले कोरी एंडरसन को अमेरिका की टीम में जगह मिली। कप्तानी 31 साल के विकेटकीपर बैटर मोनांक पटेल करेंगे। अमेरिका ने पिछले दिनों कनाडा को टी-20 सीरीज में 4-0 से हराया। इसी टीम के खिलाफ होम टीम वर्ल्ड कप में 2 जून को ओपनिंग मैच खेलेगी। टीम ग्रुप-ए में शामिल है, इस ग्रुप में भारत, पाकिस्तान और आयरलैंड भी हैं।

मुंबई-कोलकाता के बीच मैच में टॉस को लेकर उठे सवाल

सोशल मीडिया पर लोगों ने दावा किया, रेफरी ने कैमरामैन को नहीं देखने दिया सिक्का

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस टीम एक बार फिर टॉस को लेकर कंट्रोवर्सी में है। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को टॉस के दौरान कैमरे पर सिक्के को नहीं दिखाने पर लोगों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए हैं। वानखेड़े में कोलकाता के खिलाफ मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने सिक्के को उछाला, जिसके बाद श्रेयस अय्यर ने हेड्स बोला, लेकिन मैच रेफरी ने कहा कि टेल आया है। यानी हार्दिक ने टॉस जीता है। हालांकि कैमरे के सिक्के तक पहुंचने से पहले ही रेफरी ने सिक्का उठाकर फैसला सुना दिया था। ढुक्कने टॉस का एक वीडियो ट्वीट किया है, जिसपर लोगों ने सवाल उठाए हैं।

बेंगलुरु के खिलाफ मैच के भी दौरान सवाल उठे थे

इससे पहले, मुंबई और बेंगलुरु के बीच मैच में टॉस को लेकर सवाल उठे थे। उस मैच में मुंबई के कप्तान पंड्या ने सिक्का काफी दूर उछाल दिया था। जिसे मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने सिर्फ देखा था और बताया था कि टॉस मुंबई ने जीता है। बाद में हैदराबाद के खिलाफ मैच में टॉस के दौरान बेंगलुरु के कैप्टन फाफ डु प्लेसिस स्क्रा के कप्तान पैट कमिंस को पूरी बात बताते दिखे थे।

कोलकाता ने मुंबई को हराया

वानखेड़े में शुक्रवार को टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 रन से हराया। कोलकाता ने वानखेड़े मैदान पर मुंबई को 12 साल बाद हराया। कोलकाता को इस मैदान पर मुंबई के खिलाफ आखिरी जीत 2012 में मिली थी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। मुंबई ने होमग्राउंड में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता 19.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में मुंबई 18.5 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई। मिचेल स्टार्क ने 4 विकेट झटके, जबकि वेंकटेश अय्यर ने 52 बॉल पर 70 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडियन प्रीमियर लीग में 51 मैच खत्म हो चुके हैं। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया। इसी के साथ मुंबई 17वें सीजन के प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी, टीम 9वें नंबर पर है। वहीं कोलकाता ने दूसरे नंबर पर अपनी सिचुएशन स्ट्रॉन्ग कर ली।

इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 24 रन से हरा दिया। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 11 रन बनाकर सुनील नरेन का शिकार हुए। नरेन ने उन्हें टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 8वीं बार पवेलियन भेजा।

आन्द्रे रसेल ने बीच मैदान पर खोया आपा, रन आउट होने के बाद गुस्से में रेलिंग पर पटका बैट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना आईपीएल 2024 के 51वें मैच में मुंबई इंडियंस से हुआ। इस मैच में कोलकाता ने मुंबई को 24 रन से पटखनी दी और वानखेड़े में मुंबई को 12 साल बाद हराया। केकेआर की जीत के रियल हीरो वेंकटेश अय्यर और मिचेल स्टार्क रहे। वेंकटेश ने टीम की पारी को लड़खड़ाने के बाद एक छोर से संभाला और 70 रन की अहम पारी खेली, जिसके दम पर केकेआर ने 169 रन स्कोर बोर्ड पर टांगे।

एक वक्त पावरप्ले में केकेआर का स्कोर 5 विकेट के नुकसान पर 57 रन था, लेकिन मनीष पांडे और वेंकटेश ने 83 रन की साझेदारी कर टीम की पारी को संभाला। इस बीच केकेआर के धाकड़ बैटर आंद्रे रसेल रन आउट हुए। हार्दिक ने रसेल को रन आउट किया, लेकिन रसेल खुद के रन आउट होने के बाद गुस्से में दिखे।

दरअसल, केकेआर की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 57 रन तक अपने पांच विकेट खो दिए थे। इसके बाद मनीष पांडे ने वेंकटेश के साथ मिलकर टीम की पारी को संभाला। मनीष के आउट होने के बाद क्रीज पर आंद्रे रसेल मैदान पर उतरे थे। बता दें कि पारी का 17वां ओवर मुंबई की तरफ से हार्दिक पांड्या आए और उन्होंने दूसरी ही गेंद पर मनीष पांडे का विकेट लिया। इसके बाद क्रीज पर आंद्रे रसेल आए और उन्होंने आते ही छक्के लगाकर शानदार शुरुआत की। इसओवर की आखिरी गेंद पर अय्यर ने रिवर्स स्वीप शॉट खेला और गेंद शॉर्ट थर्ड मेंन के पास गई। इसे रसेल देखने से चूके और दौड़ गए। दूसरी तरफ अय्यर की नजरें गेंद पर थी और वह थोड़ा धीरे भाग रहे थे, लेकिन जब उन्होंने देखा रसेल उनके पास थे तो उन्होंने रसेल को वापस भेजा, लेकिन इस दौरान काफी देर हो चुकी थी। नुवान तुषारा ने गेंद नॉन स्ट्राइक एंड की तरफ थ्रो की और गेंद हार्दिक से काफी दूर थी, लेकिन उन्होंने विकेट पर मारा और रसेल को रन आउट किया।

चार महीने में 80 हजार टेक कर्मचारियों ने गंवाई नौकरी, इन कंपनियों ने निकाली पूरी टीम

नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2024 के पहले चार महीनों के दौरान वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी सेक्टर के 80 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। इस छंटनी से वैश्विक स्तर पर पूरा स्टार्टअप इकोसिस्टम परेशान हो रहा है। टेक्नोलॉजी क्षेत्र में छंटनी पर नजर रखने वाली वेबसाइट लेऑफ डाट एफवाईआई के हालिया डेटा के मुताबिक, इस साल तीन मई तक वैश्विक स्तर पर 80,230 कर्मचारियों की छंटनी हुई है।

आईटी, टेक और स्टार्टअप इकोसिस्टम में मंदी के कारण कैलेंडर वर्ष 2022 और 2023 के दौरान वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी कंपनियों ने 4.25 लाख कर्मचारियों की छंटनी की थी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष छंटनी करने वाली दिग्गज कंपनियों में गूगल और टेस्ला प्रमुख हैं।

गूगल और टेस्ला में बड़े पैमाने पर छंटनी

दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत अपनी एक प्रमुख टीम से करीब 200 कर्मचारियों की छंटनी की है। वहीं, एलन मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला ने हाल ही में पूरी चार्जिंग टीम से सैकड़ों लोगों को नौकरी से निकाला है। इससे पहले टेस्ला ने वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत करीब 14 हजार कर्मचारियों की छंटनी की थी।

ओला में भी हो सकती है छंटनी

भारत की बात की जाए तो कैब सेवा प्रदाता कंपनी ओला कैब्स ने हाल में कारोबार पुनर्गठन प्रक्रिया शुरू की है। इससे करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों को छंटनी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अमेरिका के उपभोक्ता अनुभव प्रबंधन प्लेटफार्म स्प्रिंकलर ने 116 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है।

वहीं, फिटनेस कंपनी पेलोटन ने इसी हफ्ते करीब 400 कर्मचारियों की छंटनी की है, जो कंपनी की कुल वर्कफोर्स का करीब 15 प्रतिशत हैं।

कोटक बैंक का चौथी-तिमाही में मुनाफा 18 प्रतिशत बढ़कर 4,133, नेट इंटरेस्ट इनकम 13 प्रतिशत बढ़कर 6,909 करोड़ रही

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार (4 मई) को QyFY24 यानी वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध-मुनाफा सालाना आधार पर 18.22 प्रतिशत बढ़कर 4,133.30 करोड़ रहा।

पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 3,496 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 3,005 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर बैंक का नेट प्रॉफिट 37.53 प्रतिशत बढ़ा है।

रिजल्ट के साथ ही बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने अपने निवेशकों को प्रति शेयर 2 रुपए का डिवेडेंड, यानी लाभांश देने की भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

चौथी तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम यानी शुद्ध ब्याज आय साल-दर-साल आधार पर 13.20 प्रतिशत बढ़कर 6,909 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 6,103 करोड़ रुपए रही थी।

वहीं पिछली तिमाही में ये 6,554 करोड़ रही थी। यानी तिमाही आधार पर कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 5.41 प्रतिशत बढ़ी है। चौथी तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन सालाना आधार पर बढ़कर 5.28त्न रहा। पिछले साल की मार्च तिमाही में यह 5.22 प्रतिशत रहा था।

चौथी तिमाही में ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट 1.39 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 1.78 प्रतिशत से कम है। वहीं मार्च तिमाही के लिए नेट एनपीए साल-दर-साल आधार पर 0.34 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 0.37 प्रतिशत रहा था।

चौथी तिमाही में बैंक का नेट एडवांसेज सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 3,91,729 करोड़ रुपए रहा। वहीं बैंक का डिपॉजिट सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर 60,160 करोड़ रुपए रहा।

पिछले साल की समान तिमाही में ये 58,415 करोड़ रुपए रहा था। मार्च तिमाही में बैंक का कासा रेश्यो 45.5 प्रतिशत रहा। मार्च तिमाही के लिए प्रोविजन 157 करोड़ रुपए रहा।

रिजल्ट के एक दिन पहले शुक्रवार को बैंक का शेयर 1.61 प्रतिशत गिरकर 1,550.30 रुपए पर बंद हुआ था। इसके साथ ही बैंक का मार्केट कैप भी 3.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च में 5 टन गोल्ड खरीदा है। इस दौरान दुनिया भर के अन्य केंद्रीय बैंकों ने भी अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक, मार्च में सोने की शुद्ध खरीदारी 16 टन रही। सोने की भारी डिमांड के चलते कुल खरीद 40 टन से अधिक रही। हालांकि, इस दौरान करीब 25 टन सोना बेचा भी गया।

उच्चतम स्तर पर गोल्ड रिजर्व

भारत की बात करें, तो रिजर्व बैंक का गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल की शुरुआत में आरबीआई के पास 822.1 टन गोल्ड था। इसका मतलब कि इस केंद्रीय बैंक ने 18.5 टन सोने की शुद्ध खरीद की है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं, इस साल की पहली छमाही खत्म होने से पहले ही वह इससे ज्यादा गोल्ड खरीद चुका है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मार्च के दौरान सोने की खरीद बढ़ाई। इसमें खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी अधिक रही।

तुर्किये ने खरीदा सबसे ज्यादा सोना

मार्च में सेंट्रल बैंक ऑफ तुर्किये सोने का सबसे बड़ा खरीदार रहा। उसने अपने गोल्ड रिजर्व में 14 टन का इजाफा किया है। भारत के रिजर्व बैंक ने अपनी गोल्ड होल्डिंग को 5 टन बढ़ाया है। वहीं, पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी अपने गोल्ड रिजर्व में 5 टन और जोड़ा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर रहे। दोनों ने अपने सोने के भंडार को 4-4 टन बढ़ाया है। वहीं, रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है। केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद बढ़ाने से पता चलता है कि उनका इस कीमती धातु में भरोसा बना हुआ है, क्योंकि इससे आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने में मदद मिलती है। सोने को हमेशा से सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। खासकर, जब मार्केट ज्यादा अस्थिर होता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली तिमाही में दुनिया भर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़ी है। यह गोल्ड डिमांड के लिहाज से 2016 के बाद सबसे मजबूत पहली तिमाही है।

फिलीपींस में बंदरगाह डेवलप करेगा अडाणी पोर्ट्स

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड अब फिलीपींस में निवेश की तैयारी में है। फिलीपींस के राष्ट्रपति कार्यालय के तरफ से जारी रिलीज में कहा गया है कि अडानी पोर्ट्स ने फिलीपींस के बटान में एक 25 मीटर डीप पोर्ट को डेवलप करने में दिलचस्पी दिखाई है। इसमें आगे कहा गया है कि प्रेसिडेंट मार्को ने अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन की योजना का फिलीपींस में स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को संभालने पोर्ट्स की तरह विकसित किया जाए, जिससे फिलीपींस ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धा कर सके। हाल ही में गौतम अडाणी के बेटे और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडाणी ने फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मुलाकात की थी।

पैनामैक्स वेसल्स जहाज को भी कर सकेंगे ऑपरेट

अडाणी पोर्ट्स द्वारा डेवलप किए जाने वाले पोर्ट से पैनामैक्स वेसल्स जहाज को भी हेंडल या ऑपरेट किया जा सकेगा। अमूमन इस तरह का जहाज 50,000 से 80,000 टन डेडवेट तक का होता है। यह भारी मात्रा में सामान ले जाने में सक्षम होता है। दुनिया में कम ही बंदरगाहों में इस तरह के भारी भरकम जहाजों को हैंडल करने की सुविधा होती है।

भारत के अलावा अडाणी पोर्ट्स श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल में कर रहा काम

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजराइल में पहले से ही काम कर रही है। कंपनी इजराइल में हाइफा पोर्ट ऑपरेट करती है। वहीं श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह का वेस्ट कंटेनर टर्मिनल और ऑस्ट्रेलिया के प्रशांत महासागर के समुद्री तट पर एबॉट पॉइंट टर्मिनल भी ऑपरेट कर रही है।

देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है अडाणी पोर्ट्स

अडाणी पोर्ट्स भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर और एंड-टु-एंड लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर है। इसके 13 पोर्ट और टर्मिनल देश की पोर्ट कैपेसिटी का करीब 24 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसकी कैपेसिटी 580 MMTPA है। पहले इसका नाम गुजरात अडाणी पोर्ट लिमिटेड था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में कार्गो वॉल्यूम 460 से 480 मीट्रिक टन के बीच रखने का टारगेट तय किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 23त्न ज्यादा है। वित्त वर्ष 2024 के लिए कंपनी ने 390 मिट्रिक टन का टारगेट रखा था। कंपनी के मुंद्रा पोर्ट से पिछले वित्त वर्ष में 180 मिलियन मिट्रिक टन कार्गो का ट्रांसपोर्टेशन हुआ था।

इंदौर में लोकसभा निर्वाचन का मतदान प्रारंभ हुआ

मतदान टीम को घर आया देख कर खुश हुए बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता

इन्दौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिए आज से मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। प्रथम चरण में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर पर ही मतदान की सुविधा प्रदान की। आज से प्रारंभ हुए मतदान में 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) ने घर बैठे ही उत्साहपूर्वक रूप से मतदान किया। जिले में 5 और 6 मई को भी उक्त श्रेणी के मतदाताओं से मतदान कराया जायेगा। मतदान के लिए 111 दल बनाये गये हैं।

उक्त दलों को आज के मतदान के लिए सुबह 7 बजे शासकीय मालव कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से मतदान सामग्री वितरित की गई। मतदान दलों ने मतदान के पश्चात कलेक्टर कार्यालय स्थित कोषालय के स्ट्रांग रूम में सुरक्षा के साथ मतपत्र और अन्य जरूरी सामग्री जमा करायी। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करायी जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए शुरू की गई इस पहल से लोकतंत्र में इनकी भागीदारी को सुनिश्चित किया जा रहा है। इंदौर जिले में लोकतंत्र के इस महोत्सव के लिये अपार उत्साह देखा गया।

एलआईजी क्षेत्र इंदौर निवासी 100 वर्षीय कमलाबाई ने आज अपने घर से मतदान कर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उसे चलने-फिरने में दिक्कत है, निर्वाचन आयोग द्वारा घर से मतदान करने की जो सुविधा दी गई है वह

भारत निर्वाचन आयोग की लोकसभा निर्वाचन-2024 में की गई पथ प्रदर्शक पहल की हुई सराहना

सराहनीय है। आज घर से वोट करके बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि वे 50 साल से विभिन्न चुनावों में मतदान कर रही हैं। इसी तरह ग्राम कम्पेल की 95 वर्षीय भगवती बाई आनंद राव द्वारा घर से मतदान किया गया। उन्होंने कहा कि मतदान करके बहुत प्रसन्नता हुई। हम बुजुर्ग लोगों के लिए घर में ही वोट डालने की सुविधा दी है यह सर्वोत्तम कार्य है, इसके लिए मैं बहुत ही आभारी हूं।

एक अन्य 87 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता जो ग्राम कम्पेल के निवासी बालमुकुन्द भगवानलाल है और इनके जैसे ही अनेक बुजुर्ग मतदाताओं ने आज घर पर ही मतदान करने की सुविधा का लाभ उठाते हुए खुशी और संतोष व्यक्त किया तथा जिला प्रशासन की इस व्यवस्था की सराहना करते हुए घर आए मतदान दलों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निर्वाचन आयोग ने दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की मतदान करने की इस आवश्यकता को पहचाना है कि शारीरिक अड़चने और दिव्यांगता वाले नागरिकों को वोट देने के अधिकार में कोई बाधा नहीं बने। इस पहल के द्वारा कोई भी मतदाता मतदान से वंचित नहीं रहे। इसी क्रम में इंदौर जिले में भी आज मतदान दलों ने समर्पित भाव से पूर्ण जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखते हुए बुजुर्गों और दिव्यांगजनों से मतदान कराया। आज नेहरू नगर में भी मतदान दल पहुंचे। यहां 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला अनुराधा गहलोत, 86 साल की कान्ताबाई, बुजुर्ग वासुदेव राव सहित कुल 11 बुजुर्ग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए उत्साहपूर्ण रूप से मतदान किया। इसी प्रकार 85 वर्ष से अधिक आयु की न्यू पलासिया निवासी माया श्याम डसानी, आर के पुरम निवासी 90 साल से अधिक आयु के अमृत सागर तथा 88 वर्ष की मनी माल गुप्ता और अनूप नगर में रहने वाली 87 वर्षीय वृद्धा श्रीमती सरस्वती बम ने भी मतदान कर लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी भूमिका का निर्वहन कर एक मिसाल कायम की। जिले में कुल 3 हजार 126 दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने घर बैठे मतदान करने की सहमति प्रदान की है।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की हीट स्ट्रोक एडवाइजरी

स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध हैं लू के उपचार की सभी व्यवस्थाएं

भोपाल। तापमान में बढ़ोत्तरी को देखते हुए सीएमएचओ भोपाल द्वारा हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उपस्वास्थ्य केंद्र तक की संस्थाओं को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

हीट स्ट्रोक के प्रारंभिक प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं।

गंभीर और घातक हो सकता है हीट स्ट्रोक

हीट स्ट्रोक होने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे हो सकती है या एकाएक भी आ सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

लक्षणों की जल्द पहचान करके बीमारी की गंभीरता को किया जा सकता है कम

तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना, लू लगने के लक्षण है। इन लक्षणों की पहचान जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है, जिससे शीघ्र उपचार शुरू किया जा सके।

डिहाइड्रेशन की स्थिति से बचें

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि बहुत अधिक समय तक धूप के सीधे संपर्क में न रहे। तेज गर्मी होने पर अधिक मात्रा में पानी पीना, सर और कानों को कपड़े से अच्छी तरह से ढकना, हल्के सूती वस्त्र पहनना तथा धूप में चश्मा, छाता, टोपी एवं जूता पहनना जरूरी है। पसीना अधिक आने की स्थिति में ओआरएस घोल, लस्सी, मठ्ठा एवं फलों का रस पीना चाहिए । चक्कर या मितली आने पर छायादार स्थान पर रुक कर आराम करना, शीतल पानी अथवा उपलब्धता अनुसार फलों का रस लस्सी आदि का सेवन किया जाना चाहिए। उल्टी होने, सर दर्द, तेज बुखार की स्थिति होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में सलाह लेनी चाहिए। लू लगने पर प्रारंभिक तौर पर व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लेट कर आराम करवाना चाहिए। बुखार होने पर सिर पर ठंडे पानी की पट्टी लगानी चाहिए । छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का गर्मी के मौसम में विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

स्वास्थ्य संस्थानों में बनाए गए हैं ओआरएस जिंक कॉर्नर

जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं। यहां पर ओआरएस एवं जिंक की उपलब्धता के साथ-साथ, घोल बनाने की विधि, उपयोग के तरीके एवं इससे होने वाले लाभ भी समझाए जा रहे हैं। ओआरएस का घोल शरीर में पानी की कमी को दूर करता है, साथ ही दस्त होने के अंतराल को भी कम करता है।

गंभीर स्थिति में स्वास्थ्य संस्था में लें उपचार

हीट स्ट्रोक जानलेवा हो सकता है। लू लगने पर व्यक्ति शॉक में चला जाता है। लू लगने पर सबसे पहले मरीज को पानी पिलाकर शरीर के तापमान को कम करने के उपाय किए जाने चाहिए। शरीर में पानी की कमी ना हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए।सामान्य तापमान के पानी में कपड़े को भिगोकर शरीर पर मलना चाहिए। मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना जरूरी है।

जिला न्यायालय में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन : कुल 40 यूनिट का हुआ रक्तदान

भोपाल। न्यायमूर्ति रवि मलिमठ, मुख्य न्यायाधिपति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल अमिताभ मिश्र की अध्यक्षता में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल श्रीमती आरती शर्मा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर भोपाल में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल अमिताभ मिश्र द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर के शुभारंभ अवसर पर विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव, जिला अभियोजन अधिकारी, जिला अभिभाषक संघ भोपाल के अध्यक्ष दीपक खरे, सहित सम्माननीय न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, अधिवक्तागण एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल, न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि ÷पीड़ित मानवता की सेवा के उद्देश्य से सबको रक्तदान करना चाहिए÷, ÷रक्तदान महान पुण्य का कार्य है÷। हमारे द्वारा किए गए रक्तदान से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। रक्तदान शिविर में न्यायाधीशगण, न्यायालयीन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण, जिला अभियोजन कार्यालय, अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्तागण, पुलिस विभाग, विद्यार्थीगण एवं अन्य आमजन सहित न्यायाधीशगणों के पारिवारिक सदस्यों द्वारा भी रक्तदान किया गया। रक्तदान करने के पूर्व सभी रक्तदाताओं की हिमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर की जांच सहित डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। रक्तदान शिविर में रक्तदान करने के लिए और भी न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण इच्छुक थे, परन्तु बी.पी., शुगर, एवं अन्य बीमारियां होने से डॉ. की सलाह द्वारा उनके द्वारा रक्तदान नही किया जा सका।प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमान अमिताभ मिश्र द्वारा उक्त संबंध में निर्देशित किया गया है कि निकट भविष्य में सर्वसंबंधितों के लिए मेडिकल कैम्प का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में किया जायेगा। रक्तदान शिविर जय प्रकाश अस्पताल (जे.पी. हास्पिटल) भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमे जे.पी. हास्पिटल की ओर से डॉ. नीता जैन, पैथोलॉजिस्ट एवं लेब टेक्नीशियन, इन्टर्न एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

आखिर क्यों नरेंद्र मोदी को देश तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता है

21 अक्टूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना हुई थी। 1952 में पहला आम चुनाव हुआ था और उस चुनाव में जनसंघ के तीन लोग जीते थेद्य कोलकाता दक्षिण पूर्व सीट से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मिदनापुर-झारग्राम सीट से दुर्गा चरण बनर्जी और चित्तौड़, राजस्थान से उमाशंकर त्रिवेदी। जनसंघ के घोषणापत्र में मुख्यतः दो मुद्दे थे-देश में समान नागरिक संहिता लागू करना तथा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को खत्म करना। चुनाव के बाद उस समय भी एनडीए बना तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिपक्ष के नेता बने। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा 370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि 'या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूंगा'। डॉ. मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिये 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। परमिट का नियम तोड़ते हुए उन्होंने हजारों प्रदर्शनकारियों के साथ 11 मई 1953 को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने का निर्णय किया। जम्मू में प्रवेश करते ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के तानाशाही रवैये के कारण वहां की तत्कालीन शेख अब्दुल्ला सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। लेकिन जेल में उनकी मृत्यु ने देश को हिलाकर रख दिया और परमिट सिस्टम भी समाप्त हो गया।

जनसंघ का कारवां आगे बढ़ता गया। 1957 के आम चुनाव में जनसंघ को 4 सीटें मिली, 1962 में 14, 1967 में 35 और 1971 में 22 सीटें मिली। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दियाद्य आपातकाल का जनसंघ ने खुलकर विरोध किया। जनसंघ से जुड़े सभी नेताओं को इसके लिए जेल जाना पड़ा और यातनाएं सहनी पड़ी। इसमें सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भी प्रमुखता से शामिल थे। 1977 में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ लेकिन 'दोहरी सदस्यता' (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सदस्या) को लेकर जनसघ के नेताओं ने जनता पार्टी से रिश्ता समाप्त कर नए राजनीतिक पार्टी के गठन का निर्णय लिया। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने और पंच निष्ठाओं (राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, सामाजिक और आर्थिक विषय पर गांधीवादी दृष्टिकोण, सकारात्मक पंथनिरपेक्षता और मूल्यों पर आधारित राजनीति) के आधार पर 6 अप्रैल, 1980 को अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। अपनी स्थापना के साथ ही पार्टी ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए।

1984 का आम चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए पहला आम चुनाव था जिसमें पार्टी को 2 सीटें मिली। गुजरात की मेहसाणा से अशोक पटेल और आंध्र प्रदेश की हनमकोंडा सीट से जंगा रेड्डी। 1986 में लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और जून 1989 के पालमपुर अधिवेशन में पहली बार अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया। राममंदिर निर्माण को भारतीय जनता पार्टी ने अपने मुख्य राजनीतिक एजेंडे में रखा और अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया। 1989 के आम चुनाव में 2 सीटों से बढ़कर भारतीय जनता पार्टी 85 सांसदों वाली पार्टी बन गई। मार्च 1990 में एक साथ भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में सरकार बनी। भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान, सुंदर लाल पटवा मध्य प्रदेश और शांता कुमार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब भारतीय जनता पार्टी का किसी भी राज्य में अपना मुख्यमंत्री बना था।

25 सितंबर 1990 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर लालकृष्ण आडवाणी ने गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए राम रथ यात्रा शुरू की। राम मंदिर के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत के घर-घर पहुंची। 1991 में पार्टी के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी बने और 1991 के आम चुनाव में पार्टी की लोक सभा में सीटों की संख्या बढ़कर 85 से 120 पहुंच गई। 1996, 1998 और 1999 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। अटल बिहारी वाजपेयी पहले 13 दिन फिर 13 माह के लिए प्रधानमंत्री बने और इसके बाद एक बार फिर साढ़े चार साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और देश के विकास को नई दिशा दी। भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं होने के कारण भले ही अटल बिहारी वाजपेयी अपनी विचारधारा के संकल्पों को साकार नहीं कर पाए, लेकिन एक समर्थ भारत का निर्माण कर बहुमत मिलने पर संकल्पों को साकार करने का आश्वासन देश को उन्होंने जरूर दिया। 2004 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार आई, लेकिन 10 वर्षों में 'भ्रष्ट, कमजोर और पॉलिसी पैरालिसिस' उस सरकार की पहचान बन गई। देश की जनता ने संकल्प लिया और भारतीय लोकतंत्र ने एक सुनहरे भविष्य के लिए करवट लिया।

12 वर्ष गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने देश और दुनिया को एक ऐसा विकास मॉडल दिया जिसे 'गुजरात का विकास मॉडल' के रूप में जाना जाने लगा। भारत के जनमानस और भारतीय जनता पार्टी ने उनमें भविष्य के भारत को देखा। 2013 के गोवा अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नरेंद्र मोदी को 2014 के लोक सभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी चुनाव अभियान का प्रमुख बनाने की घोषणा की। बाद में उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया। 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 282 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिला। देश की जनता द्वारा इतिहास रचा गयाद्य नरेंद्र मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत वाली गैर-कांग्रेसी किसी पार्टी के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद पार्टी की एक के बाद एक कई राज्यों में सरकार बनती गईं। मार्च 2018 तक बीजेपी 21 राज्यों तक पहुंच चुकी थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 2014 से भी बड़ी और ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस चुनाव में पार्टी ने 303 सीटें जीतीं और यह पहली बार था जब किसी गैर-कांग्रेसी पार्टी को दूसरी बार बहुमत मिला था।

दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के जमाने से घोषणा पत्र में शामिल और देश की जनता से किये गए सभी वादों को पूरा किया। अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संसद सत्र में में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 05 अगस्त 2019 को धारा 370 समाप्त कर दिया। इसी मानसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम आगे बढ़ाया गया। उसी तीन तलाक को दंडनीय अपराध बनाया गया और मुस्लिम माताओं-बहनों को इस काले कानून से मुक्ति दिलाई। नागरिकता संशोधन कानून-2019 को लागू किया गया। एक तरह से महात्मा गांधी के विचार को साकार किया गया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। 22 जनवरी, 2024 को भारतीय जनता पार्टी ने अपना वादा पूरा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। आज देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू कर इतिहास बना दिया है।

भारतीय जनता पार्टी पर पहले आरोप लगता था कि पार्टी सरकार नहीं चला पाती। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार है और कई राज्यों में भाजपा की सरकार विकास और जन कल्याण के नए-नए आयाम गढ़ रहे हैं। देश की राजनीतिक संस्कृति बदल गई है। देश और देश का जन मानस आज मोदी की गारंटी पर विश्वास है और उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने संकल्प के नाम पर आगे बढ़ रहा है। शोषणमुक्त और समतायुक्त समाज की स्थापना के साथ आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला लोक सभा का चुनाव है जब देश ही नहीं पूरे विश्व ने यह मान लिया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। जिसका परिणाम पहले से ही तय हो गया है, यह भाजपा नहीं देश की 140 करोड़ जनता कह रही है। मोदी की गारंटी ने देश के विश्वास को जितने का काम किया है।

पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थीद्य ब्रिटेन और फ्रांस को पीछे छोड़ भारत आज

दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। मनमोहन सिंह की यूपीए की सरकार के समय 2013-14 में देश का बजट 16.65 लाख करोड़ था, जो कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़कर 2024-25 में 50 लाख करोड़ हो गया है। 50 करोड़ से अधिक गरीबों के जन-धन खाते खुलवाए गए हैं, स्वच्छता अभियान के तहत 11 करोड़ परिवारों के लिए शौचालय बनवाए गए हैं, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ गरीब को पक्के घर प्रदान किए गए हैं, जिनमें से अधिकतर लाभार्थी समाज के वंचित वर्ग से हैं। पीएम आवास योजना के तहत ज्यादतर मकान महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं। जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से देश के 14.45 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल से जलापूर्ति की गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को 5 लाख की मुफ्त चिकित्सा सुविधा दी गई है। इस योजना के दायरे में 70 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों लाये जाने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक महिलाओं को गैस सिलिन्डर प्रदान कर, उनके जीवन को धुआं मुक्त बनाया गया है। वहीं विशेषकर ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। नारी वंदन अधिनियम लाकर लोक सभा और विधान सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया।

स्टार्टअप और स्टैंडअप योजना के तहत करोड़ों युवाओं को रोजगार मिला है। रोजगार की तलाश करने वाले आज रोजगार देने वाले बन रहे हैं। स्किल इंडिया के तहत करोड़ों युवाओं का कौशल विकास किया गया है, और इस प्रकार लाखों परिवार का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है। करोड़ों लोगों को उद्यमी बनाने का काम मुद्रा योजना ने किया है और इसकी सफलता को देखते मुद्रा लोन की राशि को 10 लाख से 20 लाख किये जाने की घोषणा की गई है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी चलाने वालों को ब्याजमुक्त लोन देकर उनके चिंता की गई है। 36 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से लोगों के खाते में भेजे गए हैं। वित्तीय समावेशन का यह दुनिया में मिसाल है। यह अभियान जन धन खाता खोले जाने से ही संभव हो पाया है। यह सब पहले भी हो सकता था। लेकिन इनकी चिंता देश में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है, भारतीय जनता पार्टी सरकार ने की है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के 10 करोड़ से अधिक छोटे और सीमान्त किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। किसानों की आय दोगुनी करने और स्वामीनाथन आयोग के सुझावों के अनुरूप उनके उपज को उचित मूल्य मिले, इसके लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में, लगभग 18 लाख करोड़ रुपए एमएसपी के रूप में धान और गेहूं की खेती करने वाले किसानों को मिले हैं। जो यूपीए सरकार के 10 सालों की तुलना में ढाई गुना अधिक है। गांवों में पौने 4 लाख किलोमीटर नई सड़कें बनीं हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है। वंदे भारत और बुलेट ट्रेन चलाये गए हैं। पिछले 10 वर्षों में, देश में नेशनल हाईवे की लंबाई, 90 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1 लाख 46 हजार किलोमीटर हो गई है, फोर-लेन नेशनल हाईवे की लंबाई ढाई गुना बढ़ी है। देश में एयरपोर्ट्स की संख्या 74 से दोगुनी बढ़कर 149 हो गई है। शहरों के ट्रांसपोर्ट में कई क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं। 2014 तक सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो कनेक्टिविटी थी, अब देश के 18 शहरों में मेट्रो की सुविधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हर हफ्ते एक नए विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया जाता है, और पिछले एक दशक से प्रतिदिन दो नए कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हर दिन औसतन 55 पेटेंट पंजीकृत होते हैं, जिससे नवाचार और प्रगति को बढ़ावा मिलता है। देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के साथ-साथ विरासत के संरक्षण और संवर्धन की भी चिंता की गई है। देश एक प्रकार से आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण के काल में है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ सौंदर्यीकरण, चार धाम परियोजना इसकी मिसाल हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ सौंदर्यीकरण, चार धाम परियोजना इसकी मिसाल हैं। विदेशों से मूर्तियां वापस लाई गईं। अनेकों मंदिरों व विरासत स्थलों का जीर्णोद्धार हुआ। नमामि गंगे योजना के तहत गंगा सहित अन्य नदियों को निर्मल किया गया। चंद्रयान से गगणयान की यात्रा, विश्व में भारत का मस्तक ऊंचा हुआ। प्रवासी भारतीयों को दोहरी नागरिकता दी गई। भारत के विकास में उनके मत्वपूर्ण योगदान को समझा गया। दलित परिवार से आने वाले रामनाथ कोविंद और आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति के पद पर बैठाया गया।

महात्मा गांधी के बाद नरेंद्र मोदी पहले व्यक्ति हुए जिन्होंने स्वच्छता को जनांदोलन बना दिया। यही कारण है कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले उन्होंने मंदिरों के सफाई का जो जन आह्वान किया लोगों ने सर-आंखों पर लिया। पूरी दुनिया को आश्चर्य से भर दिया। सेवा और समर्पण का ऐसा उदाहरण इतिहास में दूसरा नहीं। दीपावली के अवसर पर सरहद पर तैनात जवानों के बीच जाना और उनके साथ खुशियां मानाना, यह दुनिया में मिसाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल सरहद के अलग अलग हिस्से में पहुंचकर जवानों के बीच उनका मनोबल बढ़ाते हैं। सैन्य ताकत को बढ़ाना, सेना को अत्याधुनिक सुविधाएं और साजो-सामान मुहैया कराई जाती है। वन रैंक वन पेंशन हो, अग्निवीर योजना हो, सीमांत गांवों का विकास हो, देश की रक्षा शक्ति को मजबूत करने और माँ भारती की सेवा में लगे जवानों के मान-सम्मान की बात हो, उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं। पुलवामा में हुए आतंकी हमले के 13वें दिन बालाकोट एयरस्ट्राइक द्वारा आतंवादियों की तेरहवीं कर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान ही नहीं दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया-जरूरत पड़ी तो घर में घुसकर मारेंगे। आतंकवाद और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निडरता, निर्भीकता, कठोरता के प्रतीक तो हैं ही, साथ-साथ संवेदनशीलता, आत्मीयता और उदारता के भी प्रतीक है, जहां कठोरता की जरूरत है, कठोरता से काम लेते हैं। जहां संवेदनशीलता जरूरत है, संवेदनशीलता से काम लेते हैंद्य कोरोना के दौरान जिस प्रकार उन्होंने देश को भी संभाला और दुनिया की भी चिंता की, यह इस बात का प्रमाण है। उन्होंने विश्व का जिस प्रकार नेतृत्व किया है, आज वैश्विक संकट के दौर में दुनिया उनकी तरफ देख रही है। उनके नेतृत्व क्षमता पर पूरी दुनिया का विश्वास है और यह भारत के लिए, भारत वासियों के लिए गौरव की बात है। मुस्लिम देश यूएई में मंदिर का निर्माण हो या फिर दुनिया के अनेकों देशों, जिनमें कई मुस्लिम देश शामिल हैं, द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना, उनके करिश्माई व्यक्तित्व और वैश्विक नेतृत्व की स्वीकार्यता का प्रमाण है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री उन्हें बॉस कहते हैं, तो अमेरिका के राष्ट्रपति विश्व मंचों पर उनसे मिलने के लिए बेताब रहते है। जी-20 का जिस प्रकार अभूतपूर्व रूप से भारत ने नेतृत्व किया, आज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका, इंग्लैंड और फ्रांस की नहीं, भारत की चर्चा होती है। पूरी दुनिया भारत में वैश्विक भविष्य देख रहा है। नरेंद्र मोदी देशवासियों से ठीक ही कहते हैं- 'यही समय है सही समय है'।

न रुकना, न थकना और दीनदयाल जी के कहे वाक्य 'चरैवेति चरैवेति' की दिशा में निरंतर बढ़ते रहना साथियों को भी उसी दिशा में ले जाने की सतत कोशिश करना, यह भारत की राजनीति में असामान्य घटना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 में 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से कहा था 'मैं भारत का प्रधानमंत्री नहीं, आपका प्रधान सेवक हूं। सच में नरेंद्र मोदी ने अपने को प्रधान सेवक के रूप में स्थापित किया। यह अप्रतिम है कि अपनी 100 वर्षीय मां को कंधा देने और अंत्येष्टि करने के बाद भी विराम नहीं किया और उसी समय गुजरात के राजभवन पहुंच राज-काज में लग गएद्य यह अदम्य साहस, अपरमित तेज और दूरदृष्टि सामान्य व्यक्ति के पास नहीं होतेद्य कहीं न कहीं ऐसे व्यक्ति पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है।

दो चरणों के चुनाव हो चुके हैंद्य पहले चरण में 102 सीटें और दूसरे में 88, मतलब कुल 190 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। अभी पांच चरण बाकी हैद्य लेकिन दो चरणों में सामान्य से सामान्य लोगों ने विपक्ष का हाल बेहाल देखा। पहली बार विपक्ष नेतृत्व विहीन, नीति विहीन और नियत विहीन दिखाई दे रहा। वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए सौभाग्य का विषय है कि उसे भारत स्तरीय ही नहीं विश्व स्तरीय नेतृत्व के रूप में नरेंद्र मोदी मिले हैं। 14 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी ने जो संकल्प पत्र देश के समक्ष रखा है, भारत सुनहरे भविष्य की संकल्पना की गई है। इसमें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दृष्टि है। वहीं कांग्रेस के घोषणा पत्र से साफ जाहिर होता है कि उनके वादे और इरादे ऐसे हैं जो स्पष्ट संकेत दे रहे हैं की न सत्ता में आएंगे और न वादा करने जैसी कोई स्थिति आएगी।

जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया, फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर संविधान को समाप्त करने की बात कर रही हैद्य परिवारवाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर देश को खोखला बनाने वाले और सामाजिक न्याय के नाम पर देश की जनता के साथ अन्याय करने वाले विपक्ष व इंडी गठबंधन के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार और आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर देश की जनता को गुमराह नहीं कर सकते। नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक पार्टी और नेताओं पर लोगों के खोए हुए विश्वास की वापसी की है। राजनीति के प्रति लोगों के कुविचार को सुविचार में बदला है। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय देश के जनमानस ने बहुत पहले ले लिया था।

प्रभात झा
(पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

जिले के बाहर के निवासी 05 मई को सायं 6 बजे तक जिले की भौगोलिक सीमा से बाहर हो जायें

जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने किये प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार मुरैना जिले में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में मतदान 07 मई, 2024 को सायंकाल 06 बजे समाप्त होगा। निर्वाचन संबंधी प्रचार-प्रसार करने के लिए जुलूस, रैली आदि निकालने के लिए संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी से अनुमति लिया जाना अपेक्षित है। आयोग के निर्देशों के अनुसार 05 मई 2024 को सायंकाल 06 बजे से किसी भी प्रकार की अवैध सभा या सार्वजनिक बैठकों को प्रतिषेधित किया गया है। प्रचार अवधि में अभ्यर्थियों के निकट संबंधी, राजनैतिक दल के सदस्य, उस क्षेत्र से बाहर के लोग भी रैली, जुलूस एवं सार्वजनिक सभाओं में शामिल होते हैं। आयोग के अनुसार प्रचार अवधि 05 मई 2024 को सायंकाल 6 बजे के पश्चात् उस क्षेत्र के बाहर के निवासी क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं, ताकि निर्वाचन की शुचिता, निष्पक्षता बनी रहे एवं मतदान में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोका जा सके।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार

जिले में निर्वाचन के दौरान बाहर के निवासियों को मतदान की अवधि तक क्षेत्र में प्रवेश रोकने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना आवश्यक है। चूँकि कोई भी प्रतिबंधात्मक आदेश आम जनता के संबंधित होता है, इस प्रतिबंधात्मक आदेश का प्रभाव आम जनता पर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में आम जनता को सुना जाना भी विधिसंगत होता है। परन्तु पर्याप्त समय के अभाव में आम जनता हो सुना जाता संभव नहीं है। ऐसी दशा में एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है। जिले में लोक शांति बनाये रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मुरैना अंकित अस्थाना ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में प्रदत्त शांतियों का प्रयोग करते हुये संपूर्ण मुरैना जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि 05 मई 2024 को सायंकाल 6 बजे 07 मई 2024 तक मुरैना जिले में वहीं निवासी मतदान कर सकेंगें। जिले के बाहर के निवासी जो प्रचार आदि राजनैतिक किया कलापों के लिए प्रचार अवधि में जिले में उपस्थित थे। वे 05 मई 2024 सायंकाल 6 बजे से पश्चात् जिले की भौगोलिक सीमा के भीतर नहीं रह सकते है। यह आदेश 07 मई 2024 तक प्रभावशील होगा।

झूमा शहर : तेरे जैसा यार कहां... गीत की प्रस्तुति ने दर्शकों का जीता दिल

दोबारा आना चाहूंगा मुरैना, यहां के दर्शक कला प्रेमी: संजय धूपर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 'एक शाम मतदाताओं के नाम' कार्यक्रम शुक्रवार की रात्रि में शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल संग्रहालय परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्वालियर से प्रस्तुति देने आए संजय वैशाली धूपर ने कहा कि मुरैना की जनता कला प्रेमी है। यहां की जनता से बहुत प्यार मिला। कार्यक्रम को बड़े मन से जनता ने सुना। मुझे मौका मिला तो मैं दोबारा मुरैना आना चाहूंगा। स्वीप गतिविधि के तहत नगर निगम मुरैना द्वारा 'एक शाम मतदाताओं के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य आने वाली 07 मई को लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान हो सके एवं शहर के मतदाता मतदान के प्रति जागरुक होकर निर्भीक, निडर होकर 07 मई को सूरज की पहली किरण के साथ मतदान करें, जिससे कि प्रत्येक व्यक्ति मतदान के महापर्व में अपने मत अधिकार का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। इसी थीम पर 'एक शाम मतदाताओं के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर निगम आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि 'एक शाम मतदाताओं के नाम' कार्यक्रम को शहर की जनता ने काफी पसंद किया और जिस अंदाज और जिस लहजे में मतदाताओं को जागरूक करने हेतु संजय धूपर द्वारा मंच से अपील गीतों की प्रस्तुति दी गई वह काबिले तारीफ थी। निश्चित ही इस कार्यक्रम से मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी होगी।

कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, नगर निगम जनसंपर्क अधिकारी रहीम चौहान सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। कार्यक्रम में एक से बढ़कर मतदाता थीम पर गीतों की प्रस्तुति दी गई। जब संजय धूपर ने जितेंद्र कुशवाहा के साथ तेरे जैसा यार कहां... गीत प्रस्तुत किया तो जनता झूम उठी। कार्यक्रम में प्रतीक दुबे द्वारा भी प्रस्तुति दी गई। 'एक शाम मतदाताओं के नाम' कार्यक्रम का संचालन श्याम सिकरवार द्वारा किया गया।

बानमोर से गायब नाबालिग बुआ-भतीजी कोलकाता में मिली

20 अप्रैल को बानमोर से हुई थी लापता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। करीब 15 दिन पहले बानमोर से अचानक लापता हुई नाबालिग बुआ-भतीजी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कोलकाता में हावड़ा ब्रिज के पास से बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार कस्बा बानमोर की गोबरा कॉलोनी में रहने वाले श्याम नट पुत्र सुरेश नट ने 20 अप्रैल को बानमोर थाने पहुंचकर अपनी 16 वर्ष 2 माह की बहन और 16 वर्ष 3 माह आयु की नाबालिग भतीजी के गुम होने की बात कही थी। पुलिस ने धारा-363 के तहत अपराध क्रं. 158/24 दर्ज किया था। जिसके बाद से ही पुलिस टीम दोनों बुआ-भतीजी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि बानमोर से लापता बुआ-भतीजी को कोलकाता में देखा गया है। तब उनकी बरामदगी के लिए बानमोर थाने से पुलिस टीम कोलकाता के लिए रवाना की गई। पुलिस टीम ने कोलकाता में हावड़ा ब्रिज के पास से दोनों बुआ-भतीजी को बरामद किया और अपने साथ बानमोर ले आई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया, एसआई यशपाल बरौनिया, आर. सुनील, महिला आरक्षक विनीता, आर. विवेक सिंह जादौन और सायबर सैल के प्र.आर. सुदेश कुमार की सराहनीय भूमिका रही है।

विधायक रीति पाठक ने किया कुंतलपुर में जनसंपर्क

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी विधायक रिती पाठक ने मुरैना-श्योपुर लोकसभा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के लिए ग्राम कुतवार में जनसंपर्क किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रूस्तम सिंह हर्षाना नाका, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद संजय शर्मा, पूर्व भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी संजय हर्षाना ने रीति पाठक का स्वागत किया, पुस्तक भेंट की। भाजपा पिछड़ा वर्ग के जिला मंत्री देवेन्द्र हर्षाना, पूर्व मण्डल अध्यक्ष शतीष शर्मा, नरेश पाठक, सरपंच कोतवाल पूर्व सरपंच कोक सिंह हर्षाना, भाजपा के वरिष्ठ नेता दाताराम शर्मा, गजेन्द्र हर्षाना, चन्दू शर्मा व कई अन्य लोगों ने सभी लोगों ने प्रचार-प्रसार किया। भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने का संकल्प लिया।

'चलो बूथ की ओर अभियान' एवं नुक्कड़ नाटक के आयोजन से मतदाता हो रहे जागरूक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। स्वीप गतिविधि के तहत जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना, जिला स्वीप नोडल अधिकारी इच्छित गढ़पाले, नगर निगम आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान के निर्देशक मार्गदर्शन में नगर निगम सीमा क्षेत्र में 'चलो बूथ की ओर' अभियान एवं नुक्कड़ नाटक कठपुतली शो के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है, जिससे कि आने वाली 07 मई को जिले के मतदाता शत-प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करते हुए अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। स्वीप गतिविधि के नोडल अधिकारी रहीम चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि 'चलो बूथ की ओर' अभियान 01 मई से 06 मई तक चलाया जा रहा है, जिससे कि बूथ लेवल तक मतदाता मित्र डोर टू डोर पहुंचकर मतदाताओं को जागरुक कर रहे हैं। नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली शो के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी वचनबद्ध: नीटू सिकरवार

मेरे शरीर के खून की एक-एक बूंद आपके मान-सम्मान की रक्षा के लिए है

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना और श्योपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार (नीटू) ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहती है, मगर कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। भाजपा संविधान बदलकर दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण खत्म कर उनके अधिकार छीनने चाहती है। भाजपा चुनाव हार रही है, इससे वह बौखलाई हुई है और लोकतंत्र की जगह-जगह हत्या करने में लगी हुई है। मुरैना व श्योपुर की जनता ने भाजपा को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार (नीटू) ने शनिवार को कई गांव का दौरा करने के दौरान आमजनों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि भाजपा संविधान बदलकर दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के अधिकार खत्म करना चाहती है] इसलिए इनके सांसद बार-बार संविधान बदलने की बात कर रहे हैं। आप सब को भाजपा

से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मुरैना और श्योपुर के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। चुनाव में झूठे वायदे करना भाजपा की आदत बन गई है। भाजपा झूठ आधारित राजनीति करती है। रोजगार ,मंहगाई ओर बेरोजगारी पर बात नहीं कर रही है। जुमलेबाज़ी कर जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं करती है। भाजपा ने युवाओं के हाथों से रोजगार छीनने का काम किया है। आज किसान, व्यापारी, युवा महिलाएं सभी परेशान हैं। कांग्रेस पार्टी ने तय किया है कि सरकार बनने पर महिलाओं ओर युवाओं को हर साल एक-एक लाख रुपए बैंक खाते में डाले जाएंगे। किसानों का कर्ज माफ किया जायेगा। किसानों को एमएसपी का लाभ दिया जायेगा। साथ ही जीएसटी का सरलीकरण करके व्यापारियों को राहत देने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है, करके दिखाती है। उन्होंने भाजपा आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा हमेशा झूंठ ओर फरेब की राजनीति करके लोगों में भ्रम फैलाने का काम करती है। आज देश में लोग भाजपा की करनी ओर कथनी को समझ चुके हैं। भाजपा झूठ बोलने बाली मशीन है। भाजपा जुमलेबाजी करती है। मैं अपनी जान पर खेलकर आपके आत्म सम्मान की रक्षा करने में पीछे नहीं हटूंगा। आपके विश्वास को आंच नहीं आने दूंगा। मेरे शरीर के खून की एक-एक बूंद और हर सांस आपके लिय है। मैं भरोसा दिलाता हूं कि शुगर मिल को चालू करवाऊंगा। क्षेत्र में पानी और बिजली के साथ सड़कों की समस्या का निराकरण करवाऊंगा। क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए लडूंगा और युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए नई फेक्ट्री खुलवाने का काम करूंगा।

विश्व शांति एवं क्षेत्र की अमन चैन के लिए किया गया हवन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। विश्व शांति के लिए ग्राम गिदौली में श्रीमती पूनम-देवदत्त शर्मा के द्वारा क्षेत्र की अमन चैन के लिए भगवान के लिए विशाल हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें यज्ञ आचार्य डॉ. नागाजी सरकार बृजकिशोर शास्त्री व पं. राघवेंद्र शास्त्री, एवं राहुल शास्त्री, पं. मयंक शास्त्री ने वेद मंत्रों से हवन कराया। हवन-यज्ञ में सभी भक्तों ने हवन में आहुतियां दीं।

मयंक शास्त्री, देवदत्त पूनम शर्मा, महावीर सरोज शर्मा, रामकुमार उषा शर्मा, संदीप रूबी शर्मा, दिनेश श्यामा शर्मा, दीपक सोनम शर्मा, नितिन हिमांशु रुद्रा सुमित अनंत और समस्त शर्मा परिवार ने हवन में आहुतियां देकर विश्व में शांति तथा देश में अमन चैन की मन्नत की अर्जी लगाई।

पापा चाहते तो वातानुकूलित चैम्बर में बैठकर बिता सकते थे समय, क्षेत्र विकास के लिए चुनी राजनीति : सुविधा अग्रवाल

बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग की बेटी ने विजयपुर चुनावी जनसभा में की मार्मिक अपील

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेरे पिता ने हमेशा इस क्षेत्र के बारे में सोचा है। वो चाहते तो अन्य बिजनेसमेन की तरह एसी चैम्बर में ही बैठे रह सकते थे, लेकिन क्षेत्र के हालात बद से बदतर होते उनसे देखा नहीं गया तो उन्होंने राजनीति में आकर विकास का संकल्प उठाया है। यह संकल्प तभी पूरा होगा जब आप सभी लोग उनका साथ देंगे। यह बात बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग की पुत्री सुविधा अग्रवाल ने शनिवार को विजयपुर में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सुविधा ने इस मार्मिक लहजे से अपनी बात उपस्थित लोगों के सामने रखी कि सभी लोगों ने हाथ उठाकर भरोसा दिलाया कि वह बसपा के साथ हैं। सुविधा अग्रवाल ने कहा कि हमारे पास सबकुछ है हमें किसी चीज की जरूरत नहीं है, लेकिन पापा चाहते हैं कि यह क्षेत्र देश दुनिया में अपनी ऐसी पहचान बनाए जहाँ शिक्षा का बेहतर स्तर हो, स्वास्थ्य के मामले में अव्वल हो और युवाओं को रोजगारी नसीब हो। यह सब कर दिखाने के लिए वे पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि बीते समय में वे हर पार्टी को परख चुके हैं। कई नेताओं को चुनाव भी जिताया, लेकिन किसी ने इस क्षेत्र का विकास नहीं किया। तब मजबूरी में मेरे पिता रमेशचंद गर्ग ने क्षेत्र का विकास करने के लिए प्रत्यक्ष राजनीति शुरू की है। सुविधा ने हाथ जोड़कर उपस्थित लोगों के साथ देने की अपील की। इस जनसभा में रमेशचंद गर्ग ने लोगों को तैयार किए गए विकास के प्लाने के बारे में बताया और कहा कि यदि आप सभी लोग मौका देंगे तो आजादी से अब तक जो सुविधाएं इस क्षेत्र में नहीं है वह सुविधाएं आसानी से मयस्सर होंगी।

रमेशगर्ग की विश्व में पहचान: रुस्तम सिंह

विजयपुर में आयोजित चुनावी जनसभा को पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने मंच पर आते ही कहा कि रमेशचंद गर्ग किसी पहचान के मोहताज नहीं है। यह वो शख्स है जिसे प्रदेश और देश ही नहीं बल्कि विश्व में भी पहचाना जाता है। एक जमाना था जब इनका व्यवसाय विदेशों तक फैला था। आज वही व्यक्ति क्षेत्र का विकास करने के लिए राजनीति में उतरा है तो हम सबको मिलकर उनका साथ देना चाहिए ताकि वह विजयश्री हासिल कर वो सब कर सकें जो उन्होंने इस क्षेत्र के लिए सोच रखा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में भीषण आग 80 लाख रुपये का नुकसान

अम्बाह टॉकीज रोड पर महालक्ष्मी मार्केट में देर रात हुआ हादसा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंबाह कस्बे में टॉकीज रोड स्थित महालक्ष्मी मार्केट में शुक्रवार-शनिवार की रात 12.30 बजे इलेक्ट्रोनिक्स दुकान में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि दुकान में रखा 80 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने दुकान में आग लगने की सूचना दुकान मालिक और दमकल को दी। तब दमकल दो घंटे में आग बुझा सकी।

जानकारी के अनुसार सतेंद्र पुत्र बृजेंद्र ओझा निवासी चांद का पुरा की कस्बे की महालक्ष्मी मार्केट में करोली माता इलेक्ट्रोनिक्स के नाम से दुकान है। शुक्रवार की रात सतेंद्र अपने घर पर थे तभी रात 12.30 बजे अचानक उनकी दुकान के अंदर शॉर्ट-सर्किट हुआ और इलेक्ट्रोनिक्स सामान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने जब दुकान से धुआं व आग की लपटें उठती देखीं तो सतेंद्र ओझा को फोन पर सूचना दी। सतेंद्र सूचना के बाद जब सतेंद्र अपने परिजन के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक दुकान में रखा 80 लाख रुपए कीमत का इलेक्ट्रोनिक्स जलकर नष्ट हो चुका था। हालांकि पड़ौसियों ने दमकल को सूचना देकर बुलवा लिया था, जिन्होंने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद दुकान का शटर जेसीबी से तोड़ा गया, जिसमें अंदर अंदर रखा सामान पूरी तरह राख के ढेर में तब्दील हो चुका था। आगजनी की सूचना पर पटवारी शिवमोहन सिंह तोमर शनिवार सुबह मौके पर पहुंचे और नुकसान का पंचनामा बनाकर प्रकरण तहसील कार्यालय में आर्थिक सहायता के लिए प्रस्तुत किया।

4 लाख कीमत की दुकान भी हुई क्षतिग्रस्त

दुकान मालिक सतेंद्र ओझा ने बताया कि मैने मदनमोहन शर्मा की 20 बाई 60 की दुकान किराए पर ले रखी थी, जिसकी अनुमानित कीमत 04 लाख रुपए हैं। इस तरह से कुल 84 लाख रुपए का नुकसान हुआ हैं।

साइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को किया जागरुक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के मार्गदर्शन में एवं जनपद पंचायत अम्बाह की सीईओ श्रीमती सुमन चक चौहान द्वारा ग्राम पंचायत सिहोनिया एवं कोलुआ में साइकिल रैली का आयोजन शनिवार को किया गया।

ब्लाइंड एसोसिएशन के कार्यालय पहुंचे विदेशी मेहमान

- राकेश शिवहरे -

भोपाल। कॉमनवेल्थ समूह और मित्र देशों के सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल आज मध्य प्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यालय स्थल पर पहुंचा। आगंतुकों में युगांडा के एविच पोलर ऑक्रिर, नेपाल के उदय शमशेर, जेबी राणा, डॉ. जयकांत रावत, श्रीलंका के काकुलन्दाला, लियानाग सुमुदु डिलांग, मॉरीशस के विजय माकन, वियतनाम के त्रान्थान हांग, इसराइल के एरियल बुल्सस्टैंन आदि प्रमुख रहे। मध्य प्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के प्रांत प्रमुख डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने उन्हें संस्था की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी एवं वर्ष भर चलने वाली गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने ने सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कृतित्व पर आधारित साहित्य सभी विदेशी मेहमानों को भेंट किया। ब्लाइंड क्रिकेट संबंधी संभावनाएं किन-किन देश में तलाशी जा सकती हैं। इस बाबत प्रतिनिधि मंडल के साथ विचार विमर्श किया। इस अनौपचारिक कार्यक्रम में डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने मध्य प्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश स्तर पर 'बाल सेवा' और 'ब्लाइंड क्रिकेट' के क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। इनमें आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर बच्चों की सहायता करना और दूरस्थ अंचलों में अभियान चलाकर प्रतिभाओं को खोजना, उन्हें उचित प्रशिक्षण देकर प्रतिस्पर्धा के उचित अवसर प्रदान करना शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसी के चलते अनेक विपदाओं में उलझे हुए बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाने की सफलता मिली है। जबकि प्रदेश में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के ब्लाइंड क्रिकेट मैच सफलता पूर्वक आयोजित किया जा चुके हैं। इस दौरान एडवोकेट रूप सिंह किरार, भूपेश भार्गव, सोनू गोलकर, ओमप्रकाश पाल, राजाराम आचार्य, कर्नल इशांत, राजेश शुक्ला, डॉ. भारती शर्मा, मोहनलाल मोदी सहित अनेक लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही।

आम सूचना

मेरे व्यवहारी चौबे सिंह जाटव पुत्र श्री सामलिया जाटव उम्र 65 साल जाति जाटव निवासी डिपो बानमोर तहसील बानमोर जिला मुरैना (म.प्र.) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर सर्व साधारण एवं हर आम एवं खास जन को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी के पुत्र दर्शन जाटव का विवाह करीब 15 वर्ष पूर्व मंजू पुत्री प्रीतम जाटव निवासी- चीनौर जिला ग्वालियर के साथ सम्पन्न हुआ था तथा विवाह के बाद दिनांक- 10.04.2010 को मेरे व्यवहारी चौबे सिंह द्वारा अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पति में से अपने पुत्र दर्शन जाटव को उसके हिस्से के रूप में नगदी 3,00,000/- रुपये देकर उसकी पत्नी मंजू सहित अपने परिवार से अलग कर दिया था, तभी से मेरे व्यवहारी का पुत्र दर्शन जाटव अपनी पत्नी मंजू अपने परिवार सहित मेरे व्यवहारी एवं उसके परिवार से अलग होकर निवासरत् है तथा मेरे व्यवहारी एवं उसके परिवारीजन का पुत्र दर्शन जाटव से कोई संबंध व सरोकार तथा आना-जाना बातचीत इत्यादि बंद है। दर्शन जाटव एवं उसकी पत्नी मंजू का असामाजिक तत्वों के साथ उठना-बैठना है तथा मेरे व्यवहारी एवं उसकी पत्नी बैकुण्ठी के साथ दर्शन जाटव एवं उसकी पत्नी मंजू आये दिन गाली-गलौज व मारपीट करते हैं तथा मेरे व्यवहारी के हिस्से के मकान में से भी हिस्से के लिये झगड़ते हैं। जबकि मेरा व्यवहारी पूर्व में ही अपने पुत्र दर्शन जाटव को उसके हिस्से के रूप में नगदी 3,00,000/- रुपये दे दिये थे, तभी से मेरे व्यवहारी का पुत्र दर्शन एवं उसकी पत्नी मंजू से हमेशा-हमेशा के लिए संबंध विच्छेद हो चुके हैं तथा मेरे व्यवहारी अपनी पत्नी बैकुण्ठी तथा तीन पुत्र नरेश, भूरा व दिलीप के साथ अलग निवास करता है। दर्शन की पत्नी मंजू आये दिन आत्महत्या कर एवं मेरे व्यवहारी एवं उसके परिवारीजन को असत्य मामलों में फंसाने की धमकी देती रहती है। इसलिए दर्शन एवं दर्शन की पत्नी मंजू द्वारा किये गये किसी भी कृत्य एवं किसी भी प्रकार के लेन-देन के लिए मेरा व्यवहारी एवं उसके परिवारीजन कतई जिम्मेदार नहीं है, सूचित हों।

दिनांक- 04.05.2024

सूचनाकर्ता
चौबे सिंह जाटव पुत्र श्री सामलिया जाटव
उम्र 65 साल जाति जाटव, निवासी- डिपो
बानमोर तहसील बानमोर जिला मुरैना (म.प्र.)

द्वारा अभिभाषक
एस.सी. शिवहरे एडवोकेट
ए.बी. रोड बानमोर जिला मुरैना (म.प्र.)

नगर पालिका ने हस्ताक्षर कराके 7 मई को मतदान करने की सभी से की अपील

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। नगर पालिका परिषद पोरसा के द्वारा सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर की नेतृत्व में पोरसा में शहर के विभिन्न स्थानों पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर आमजन को शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की, जिसमें लगभग एक सैकड़ा समाजसेवी व कर्मचारी शामिल हुए। इन सभी ने दुकानदारों से एवं घर में निवास करने वाले लोगों से 07 मई को वोट डालने के लिए हस्ताक्षर कराके प्रेरित किया। मतदान करना हर एक आम नागरिक का अधिकार है उसका उपयोग करना चाहिए। इस हस्ताक्षर रैली में सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर, सब इंजीनियर संजय वर्मा, देवेंद्र राजोरिया, कुम्बेर सिंह, रामदीन, बृज किशोर तिवारी, दिनेश सहित एक सैकड़ा कर्मचारी व समाजसेवी रैली में साथ चल रहे थे। दुकानदारों से मिलकर दुकानदारों को मतदान का महत्व समझाया।

दिग्विजय जी ने आतंकियों को मारने वाले सैनिकों पर ही सवाल उठा दिए थेः शिवराज सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राजगढ़, सागर और विदिशा लोकसभा में 6 सभाओं को संबोधित किया और विदिशा में रोड-शो किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा समेत प्रदेशभर में लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। शनिवार को पूर्व सीएम ने राजगढ़ लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में सेमलापुरा जोड़ और कुंभराज में सभाएं की और सागर से भाजपा की उम्मीदवार लता वानखेड़े के समर्थन में शमशाबाद और कुरवाई में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। साथ ही श्री चौहान ने अपने लोकसभा क्षेत्र विदिशा में भी रोड-शो कर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि, दिलों के रिश्ते पदों से बंधे नहीं रहते हैं। जब तक जिउंगा तब तक जनता के कल्याण के लिए काम करता रहूंगा। मेरे लिए जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है।

दिग्गी राजा ने आतंकियों का महिमामंडन किया

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने राजगढ़ में दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना ही उन पर निशाना साधते हुए कहा कि, यहां से जो लड़ रहे हैं, उन्होंने तो आतंकवादियों का महिमामंडन किया। हमारे सैनिकों, वीर जवानों ने भारत माता की रक्षा के लिए जिन आतंकवादियों को मारा उस पर ही सवाल उठा दिए। अब ऐसे व्यक्ति क्या संसद में बैठने लायक हैं..? अभी प्रियंका गांधी जी सड़कों की बात कर रहीं थी। जब मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे तो पता ही नहीं चलता था कि, सड़कों में गड्ढें हैं या गड्ढों में सड़क। पूरे प्रदेश का बंटाधार कर दिया था। उसे सुधारने में मुझे कई बरस लग गए। उन्होंने कहा कि, जिन्होंने मुख्यमंत्री रहते कुछ काम नहीं किया वो सांसद बनकर क्या काम करेंगे। वो कहते हैं न पूत के पाँव, पालने में दिखाई देते हैं, हमने तो पहले ही देख लिया है।

कांग्रेस, इंडी का पीएम कौन?

पूर्व सीएम ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि, भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री तो तय हैं नरेंद्र मोदी लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन बताएं कि, उनका प्रधानमंत्री कौन है। धन्नू है कि, पन्ना है कि, जुम्मन है कोई नाम तो बताएं। इंडी गठबंधन वाले कहते हैं कि, बाद में तय करेंगे। कभी कहते हैं कि, बारी-बारी से एक-एक साल के लिए प्रधानमंत्री बनाएंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि, हम जब बाजार में मटका खरीदने जाते हैं तो देख भाल कर लेते हैं कि, कहीं से फूटा तो नहीं है। ऐसे ही सब्जियां लेने जाते हैं तो देखते हैं कि, सब्जी खराब तो नहीं है। जब हम मटका और सब्जियां देख कर लेते हैं तो प्रधानमंत्री कौन बनेगा ये भी देखना जरूरी है। ऐसे लोगों से हम क्या उम्मीद कर सकते हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन कभी भी देश और जनता का भला नहीं कर सकते हैं। देश का विकास और भला केवल मोदी जी ही कर सकते हैं।

शिवराजमय हुआ विदिशा

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के विदिशा में आयोजित रोड-शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा। चारों तरफ शिवराज के नारों की गूंज सुनाई दे रही थी। लोग शिवराज की एक झलक पाने और उनका स्वागत करने के लिए आतुर दिखाई दिए। बच्चे, बूढ़े और जवान सभी ने दिल खोलकर शिवराज का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। खासतौर पर भैया शिवराज की बहनें उत्साहित दिखाई दी। बहनों ने शिवराज सिंह को तिलक लगाया, उनकी आरती उतारी और चुनाव लड़ने के लिए उनके हाथों में पैसे रख दिए। बड़े-बुजुर्ग भी अपने बेटे शिवराज को आशीर्वाद देने घरों से निकलें और माथे पर हाथ फेर कर उन्हें बड़ी जीत के लिए आशीर्वाद दिया। यही नहीं रोड-शो जिस गली, जिस चौराहे से गुजर रहा था वहां लोगों का हुजुम शिवराज का भव्य स्वागत कर रहा था। पूरा विदिशा शहर शिवराजमय नज़र आ रहा था। पूर्व सीएम ने भी इस प्रेम, स्नेह और अपार समर्थथन के लिए जनता का शीश झुकाकर अभिवादन किया और कहा कि, जनता का ये प्यार ही मेरी शक्ति है। मैं अपनी अंतिम सांस तक जनता के कल्याण के लिए काम करता रहूंगा।

मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर बनने को अग्रसर है : शुक्ल

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने जौरा, कैलारस और सबलगढ़ में ली सभाएं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। स्वामी विवेकानंद ने 200 साल पहले 19वीं सदी में कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उनकी यह बात वर्तमान हालात में सत्य होती दिखाई दे रही है। पीएम नरेन्द्र मोदी के दृढ़ निश्चय और सशक्त नेतृत्व से आज भारत का मान-सम्मान दुनिया में बढ़ा है। अब भारत दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है।

यह बात, मप्र के डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने कही। श्री शुक्ल, शनिवार को मुरैना सीट से भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ में सर्व समाज के सम्मेलनों में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने युवा, किसान, महिलाओं सहित सभी वर्ग के लोगों को लाभान्वित करने के लिए आयुष्मान भारत, उज्जवला, पीएम आवास, किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजनाएं शुरू कीं है। श्री शुक्ल ने कहा कि कांग्रेस के शासन में पाकिस्तान नापाक मंसूबों के साथ भारत में आतंक फैलाने का काम करता था। मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राईक के लिए सेना को परमिशन देकर पाकिस्तान के हौंसलों को पस्त करने का काम किया है। मोदी सरकार के प्रयासों से आज सेना मजबूत हुई है, आतंक का करारा जबाव देने की सेना को छूट मिलने से आतंक फैलाने वालों के होश फाख्ता हो गए है। सम्मेलनों में विधायक सरला रावत, पूर्व विधायक सूबेदार रजौधा, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र मरैया, डॉ. मनु शर्मा, बनवारीलाल शुक्ला, अवधेश गोयल, अंकुर त्यागी, प्रकाश त्यागी, जिला महामंत्री चारुकृष्ण डण्डौतिया, जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह भदौरिया आदि मौजूद थे।

मतदान करने के उपरांत अंगुली गली पर अमिट स्याही का निशान दिखाने पर निजी चिकित्सा संस्थाओं में रोगियों को निःशुल्क ओपीडी सुविधा मिलेगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया है, कि मुरैना जिले के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र मुरैना-श्योपुर में 07 मई, 2024 को सम्पन्न होने वाले लोकसभा आम निर्वाचन 2024 का मतदान करने उपरांत ऊंगली पर अमिट स्याही का निशान दिखाने पर समस्त निजी चिकित्सा संस्थाओं में उपचार के लिये आने वाले रोगियों से परामर्श शुल्क निःशुल्क करने कीपहल की। जिससे कि मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढाई जाकर शत-प्रतिशत मतदान होने में सहयोग प्रदान किया जा सके।

अमिट स्याही का निशान दिखाने पर गहना ज्वैलर्स के संचालक देंगे आभूषण खरीदी में 10 प्रतिशत की छूट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा तरह-तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। कहीं रंगोली का आयोजन हो रहा है तो कहीं मेहंदी रचाओ का, और कहीं रैली निकालकर मतदाताओं को जागरुक किया जा रहा है। इस बार एक नया प्रयोग देखने में आ रहा है, जिसमें अनेक व्यापारी इस बात की घोषणा कर चुके हैं कि जो व्यक्ति मतदान करने के बाद हमारे संस्थान पर आयेगा और अंगुली पर अमिट स्याही का निशान दिखायेगा उसे सामान खरीदी में छूट दी जाएगी। इसी कड़ी में ग्वालियर के गहना ज्वैलर्स ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल की है।

गहना ज्वैलर्स के संचालक अजय मंगल ने घोषणा की है कि जो व्यक्ति मतदान करने के बाद हमारे संस्थान पर ज्वैलरी खरीदने के लिए आयेगा उसे 10 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। यह छूट 07 से 09 मई के मध्य मिलेगी। उक्ताशय की जानकारी देते हुए गहना ज्वैलर्स के संचालक ने बताया कि हमारा उद्देश्य इस दौरान व्यापार में मुनाफा कमाना नहीं अपितु अपने संस्थान के माध्यम से ऐसा प्रयास करना है कि अधिक से अधिक लोग मतदान करने के लिए प्रेरित हो सकें। उन्होंने बताया कि यदि हम लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना थोड़ा-सा भी योगदान दें और उसमें सफलता मिले तो हमारे लिए यह बड़े गौरव की बात होगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह भी किया कि वे स्वयं तो मतदान करने जाएं ही अपितु अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यदि हम ऐसा कर सके तो निश्चित रूप से हमारा लोकतंत्र समूचे विश्व में नई नजीर पेश कर सकेगा, जो हम सभी के लिए खुशी की बात होगी।

6 एवं 7 मई को कम्युनिकेशन प्लान टीम पॉलीटेक्निक कॉलेज में उपस्थित होकर मॉनीटरिंग करेगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा कम्यूनिकेशन टीम की बैठक ली गई। बैठक में निर्देश दिये कि 6 मई को दोपहर 12 बजे से सायं 6 बजे तक कम्यूनिकेशन टीम पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में उपस्थित रहकर पोलिंग बूथ पर निर्वाचन दल पहुंचने की ओके रिपोर्ट प्राप्त करेगें।7 मई को प्रातः 5 बजे से कम्यूनिकेशन टीम द्वारा मॉकपोल, सीआरसी एवं प्रति 02 घंटे में मतदान की रिपोर्ट लेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को पूर्व गृहमंत्री ने गोल्फकार्ट में घुमाया

ग्वालियर। ग्वालियर आए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पूर्व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने गोल्फकार्ट (इलेक्ट्रिक कार) में घुमाया। उन्होंने कार्ट खुद ड्राइव की, बगल वाली सीट पर सीएम को बैठाया।

मुख्यमंत्री शनिवार सुबह पार्टी मीटिंग के सिलसिले में इम्पीरियल गोल्फरिसॉर्ट पहुंचे थे। पूर्व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने सीएम को कार्ट में पूरा रिसॉर्ट विजिट कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री और पूर्व गृहमंत्री के बीच आगे की रणनीति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री यहां प्रबुद्धजनों की बैठक में भी शामिल हुये। बता दें, ग्वालियर लोकसभा सीट के लिए 7 मई को मतदान होना है। प्रचार आज 5 मई की शाम थम को जाएगा।

जीवन को बेहतर बनाने में राजयोग ध्यान करता है हमारी मददः आदर्श दीदी

ग्वालियर। हरिशंकरपुरम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा के 13 वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की मुख्य केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी तथा बीके प्रहलाद भाई शामिल हुए।

कार्यक्रम में बीके आदर्श दीदी ने कहा कि आप सब बड़े ही भाग्यशाली है जो आपकी कॉलोनी में निःशुल्क राजयोग ध्यान केंद्र खुला है और आप सब इसका लाभ ले पा रहे है। राजयोग ध्यान एक ऐसी विद्या है जो मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाने में उसकी मदद करती है मनुष्य के पास सब प्रकार की स्थूल सुबिधायें हो और उसके जीवन में सुकून, खुशी और शांति का अभाव हो तो जीवन नीरस महसूस होता है। कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता एवं ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि जीवन में सबसे अधिक धनबान व्यक्ति वह है जिसके खाते में दुआएं जमा है। क्योंकि वही हमारी असली पूंजी है। अगर दुआएं जमा करनी है तो संतुष्टता का गुण होना बहुत आवश्यक है। खुद संतुष्ट होना और दूसरों को संतुष्ट रखना यह भी एक कला है। कार्यक्रम में बच्ची अन्वेशा खंडेलवाल ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति से सभी का मन मोहा। इस अवसर पर हरिशंकर पुरम से रेखा शर्मा, नीलम मोतीरमानी, रंजना शर्मा, प्रिया टिलवानी, दीपा अगीचा, उज्जवल जैन, मीरा गुप्ता, सिंपल खंडेलवाल, पूनम रजवार सहित अनेकानेक कॉलोनी के लोग उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय खण्डपीठ में रक्तदान शिविर आयोजित

ग्वालियर। उच्च न्यायालय खण्डपीठ में शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 44 यूनिट रक्तदान किया गया। उच्च न्यायालय खण्डपीठ के अधिकारी-कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय की सुरक्षा में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों ने शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान किया ।

रक्तदान शिविर के आयोजन में जयारोग्य चिकित्सा समूह एवं जिला चिकित्सालय मुरार की ब्लड बैंक टीम का उल्लेखनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के प्रिंसिपल रजिस्ट्रार एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के सचिव अखिलेश कुमार मिश्रा, ओएसडी एवं रजिस्ट्रार हितेन्द्र द्विवेदी, उच्च न्यायालय के विधिक सहायता अधिकारी सनातन सेन, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा, कोर्ट मैनेजर अमनप्रीत सिंह बग्गा, डिप्टी रजिस्ट्रार एके देशमुख, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानवेन्द्र सिंह कुशवाह, उप पुलिस अधीक्षक अजीत शाक्य, डॉ. अर्चना सिंघल व डॉ. अर्चना छारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

1680 मतदान केन्द्रों में 499 क्रिटिकल मतदान केन्द्र, सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रहेंगे

ग्वालियर। जिले में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने के लिये सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रहेंगे। साथ ही क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर अतिरिक्त बल तैनात किया जायेगा। जिला प्रशासन व पुलिस ने इसके लिए पुख्ता तैयारी की है। जिले में 21 सहायक मतदान केन्द्रों सहित 1680 मतदान केन्द्र हैं। इनमें से 499 मतदान केन्द्रों को क्रिटिकल मतदान केन्द्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में 3 सहायक मतदान केन्द्रों सहित 271 मतदान केन्द्र हैं। इनमें से 82 मतदान केन्द्रों को क्रिटिकल मतदान केन्द्र के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर में 5 सहायक मतदान केन्द्र सहित कुल 307 मतदान केन्द्र हैं, जिनमें 91 क्रिटिकल मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में 2 सहायक मतदान केन्द्रों सहित 321 मतदान केन्द्र हैं, इनमें से 91 क्रिटिकल मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर दक्षिण में 5 सहायक मतदान केन्द्रों सहित 254 मतदान केन्द्र हैं, इनमें से 73 मतदान केन्द्रों को क्रिटिकल के रूम में चिन्हित किया गया है। विधानसभा क्षेत्र भितरवार में एक सहायक मतदान केन्द्र सहित 267 मतदान केन्द्र हैं, इनमें से 82 मतदान केन्द्रों को क्रिटिकल मतदान केन्द्रों के रूप में चिन्हित किया गया है। विधानसभा क्षेत्र डबरा में 5 सहायक मतदान केन्द्रों सहित 260 मतदान केन्द्र हैं, इनमें से 80 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं।

बहुमंजिला आवासीय कॉलोनी सिल्वर स्टेट में मतदान का संदेश देने पहुँची निर्वाचन अधिकारी

ग्वालियर। शहर के ऐसे मतदान केन्द्र जहाँ पिछले चुनावों में मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहता आया है। ऐसे मतदान केन्द्रों से जुड़ीं गेट बंद व बहुमंजिला आवासीय कॉलोनियों में निवासरत मतदाताओं को जागरूक करने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान शनिवार की शाम यूनिसर्सिटी रोड़ स्थित बहुमंजिला आवासीय कॉलोनी सिल्वर स्टेट में मतदान करने का संदेश देने पहुँचीं।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चौहान ने इस अवसर पर सिल्वर स्टेट आवासीय कॉलोनी की महिलाओं का आह्वान किया कि वे अपने पूरे परिवार के साथ 7 मई को मतदान करने अवश्य जाएँ। उन्होंने कहा कि आपकी बस्ती के मतदान केन्द्र रामकृष्ण आश्रम में पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत काफी कम रहा है। इस बार सभी लोग लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और बढ़चढ़कर मतदान करने जाएँ। उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं से कहा कि वे अपनी बहू के साथ और नव वधुओं से कहा कि वे अपनी सासू माँ के साथ वोट डालने जाएँ। घर का कोई भी मतदाता बगैर मतदान के नहीं रहना चाहिए।इस मौके पर एसडीएम मुरार अशोक चौहान एवं एआरओ अतुल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं सिल्वर स्टेट के रहवासी मौजूद थे।

मतदान के लिए घर घर जाकर दिए पीले चावल

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम एवं अन्य विभागों द्वारा स्वीप के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है।

शनिवार को निगम के अमले ने चले बूथ की ओर अभियान के अंतर्गत 15 विधानसभा के विविध मतदान केंद्रों पर स्व सहायता समूह की बहनों द्वारा मतदाताओं के साथ संगोष्ठी, संगीत, रैली, पम्पलेट एवं पीले चावल दिए। पम्पलेट एवं पीले चावल देकर 7 मई को मतदान करने की अपील की गई। इसके साथ ही ग्वालियर पूर्व 16 विधानसभा के मतदान केंद्र 257, 258, 259, 260 पर मतदाताओं को पम्पलेट एवं पीले चावल देकर मतदान करने की अपील की। वहीं मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान केंद्र 283-286 नाका चंद्रवदनी घर-घर संवाद एवं मतदाताओं को पीले चावल दिए। इसके साथ ही ग्वालियर 17 विधानसभा के विविध मतदान केंद्रों पर स्व सहायता समूह की बहनो द्वारा मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान करने की अपील की गई।

ग्वालियर में 21 लाख 54 हजार 290 मतदाता चुनेंगे अपना सांसद

ग्वालियर। ग्वालियर में 21 लाख 54 हजार 290 मतदाताओं को अपना सांसद चुनने का अधिकार है। मतदाताओं में 13 लाख 37 हजार 111 पुरूष व 10 लाख 17 हजार 115 महिला मतदाता एवं 64 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। ज्ञात हो ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं, जिनमें ग्वालियर जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्र (ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व, ग्वालियर दक्षिण, भितरवार व डबरा अजा.) और शिवपुरी जिले के दो विधानसभा क्षेत्र (करैरा अजा. व पोहरी) शामिल हैं।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के कुल मतदाताओं में ग्वालियर जिले के 16 लाख 40 हजार 544 व शिवपुरी जिले के करैरा व पोहरी विधानसभा क्षेत्र के 5 लाख 13 हजार 746 मतदाता शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत तृतीय चरण में ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में भी 7 मई को प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। ग्वालियर में सबसे अधिक मतदाता ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के हैं। यहाँ के मतदाताओं की संख्या 3 लाख 27 हजार 973 है। सबसे कम मतदाता डबरा (अजा) विधानसभा क्षेत्र में हैं। यहाँ के मतदाताओं की संख्या 2 लाख 44 हजार 729 है।

प्रेक्षक आदित्य ने किया बल्नरेवल मतदान केन्द्रों व एसएसटी नाकों का निरीक्षण

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में चल रही हर चुनावी गतिविधि पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेक्षक कृष्णा आदित्य नजर रख रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंने शनिवार को बल्नरेवल (क्रिटिकल) मतदान केंद्रों व एसएसटी नाकों का निरीक्षण किया। सामान्य प्रेक्षक कृष्णा आदित्य ने ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण के अंतर्गत बिल्हेटी में स्थापित एसएसटी नाका का निरीक्षण किया। साथ ही सिरोल क्षेत्र में स्थापित बल्नरेवल व क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का जायजा लिया। इसी क्रम में उन्होंने ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत क्रिटिकल मतदान केन्द्र महाराजा मानसिंह कॉलेज का निरीक्षण किया। प्रेक्षक कृष्णा आदित्य ने इस दौरान स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए की जा रहीं व्यवस्थाओं की वस्तुस्थिति जानी । आदित्य ने आदर्श आचरण संहिता के पालन के उद्देश्य से की गई कार्रवाई की जमीनी हकीकत भी देखी। एसएसटी नाके के निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाकों पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान की तिथि अब नजदीक है, इसलिए कोई भी संदिग्ध वाहन बगैर जाँच के निकलने न पाए।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।